www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 भ्रम पैदा करती भाषा नीति, हिंदी का दोहरा अपमान और अंग्रेजी का बढ़ता वर्चस्व

चीन ने पहलगाम हमले की निंदा की 06

वर्ष :17 | अंक :109 | प्रयागराज ,रविवार , 20 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

## दिल्ली में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में सब्जी विक्रेता गिरफ्तार

दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन से एक सब्जी विक्रेता को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से 200 ग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी राहुल नामक आरोपी को पुलिस ने 17 जुलाई को आनंद विहार रेलवे स्टेशन से सटे चौधरी चरण सिंह मार्ग के पास सर्विस रोड पर जाल बिछाकर गिरफ्तार किया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, राहुल की तलाशी लेने पर उसके पास से 213.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उसके खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि राहुल उत्तर प्रदेश के बरेली से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली में अपने संपर्कों को भेजता था। पुलिस ने बताया कि वह कूरियर का काम करता था और आनंद विहार जैसे व्यस्त परिवहन केंद्रों पर नियमित यात्रियों के साथ घुल-मिल जाता था ताकि पकड़े न जा सके। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने 12 वीं तक पढ़ाई की है और वह सब्जी बेचता है।

## अदालत ने हेरोइन की तस्करी के दोषी को 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई

मिजोरम के कोलासिब जिले की एक त्वरित अदालत ने मणिपुर के चुराचांदपुर निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति को मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश आर वनलालेना की अदालत ने शुक्रवार को चुराचांदपुर के सैकोट इलाके के निवासी सेखोलेन कोंगसाई को दोषी ठहराया और 1.74 किलोग्राम हेरोइन रखने के जुर्म में उसे 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि खोंगसाई पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है और जुमार्ना अदा न करने पर उसे छह महीने की अतिरिक्त कैद की सजा काटनी होगी। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश ने पर्याप्त सबूतों के अभाव में खोंगसाई के साथ गिरफ्तार किए गए तीन सह-आरोपियों को बरी कर दिया। खोंगसाई और तीन अन्य को कोलासिब जिला पुलिस ने 21 अगस्त 2023 को कोलासिब शहर के पास थिंगडॉल गांव में मणिपुर से एक अपंजीकृत कार में हेरोइन ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। प्रारम्भ में उसके पास 1.64 किलोग्राम हेरोइन पाई गई।

# कांग्रेस दूध में नींबू निचोड़ने जैसी राजनीति करती है, उत्तराखंड का विकास कोई रोक नहीं सकता :अमित शाह

**उत्तराखंड दौर के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस पर कई बड़ी टिप्पणी की. इसके साथ ही उन्होंने सीएम धामी की तारीफ भी की.**

निवेश उत्सव कार्यक्रम

अमित शाह ने कहा कि अभी कुछ काम बाकी है, जिस दिन ये हो जाएगा उस दिन 12 महीने उत्तराखंड में पर्यटकों का तांता लगा रहेगा. धार्मिक स्थलों में रोप-वे का काम होने के बाद विश्व से पर्यटकों को खींचने का काम करेगा. सड़कों को देश की राजधानी के साथ जोड़ा जा रहा है.

एजेंसी

रुद्रपुरः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार 19 जुलाई को एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे थे. गृह मंत्री अमित शाह ने रुद्रपुर में उत्तराखंड निवेश उत्सव कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी की जहां जमकर तारीफ की तो वहीं कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा. अमित शाह ने मंच से कौन-कौन से महत्वपूर्ण बिंदु उठाए, उन्ही पर एक नजर डालते है. उत्तराखंड से मिलती है नई ऊर्जाः अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब भी वह उत्तराखंड में आते है तो वह यहां से नई ऊर्जा लेकर जाते हैं. चार धामों में देवी देवताओं, माता गंगा और संतों का आशीर्वाद यहां आने से ही मिल जाता है. एक और उत्तराखंड की चोटियों अध्यात्म की ओर ले जाने का काम करती है. वहीं यहां की नदिया आधे भारत को पीने का पानी देने का काम कर रही है. इतना ही नहीं यहां की नदियों के पानी से किसान खेती कर रहा है. प्रकृति और संस्कृति इसका यहां एक अनूठा संगम देखने को मिलता है. उन्होंने कहा कि वह आज उत्तराखंड के विकास उत्सव के लिए आया हैं. साल 2023 में जब ग्लोबल इन्वेस्ट समिट हुआ था, तब उन्हें बताया गया था कि तीन लाख 56 हजार करोड़ के एमओयू आए है. तब मैंने कहा था कि एमओयू लाने में पराक्रम नहीं है बल्कि एमओयू को धरातल में उतरना पराक्रम है. आज वे सीएम पुष्कर सिंह धामी और उनकी टीम को शुभकामनाएं देना चाहते है कि उन्होंने एमओयू को धरातल भी उतार कर दिखाया है. अटल जी ने बनाया मोदी जी ने संवाराः अमित शाह ने कहा कि जब यहां के लोग अलग उत्तराखंड राज्य की मांग कर रहे थे, तब कांग्रेस ने उत्तराखंड आंदोलनकारियों पर अत्याचार किए थे. उत्तराखंड को बनाने का काम भाजपा सरकार और उस समय के बीजेपी नेता व लोकप्रिय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया, लेकिन बाद में राज्य के विकास के पंडित चर्चा करने लगे थे कि छोटा राज्यों की कल्पना सफल होगी कि नहीं होगीउत्तराखंड का विकास कोई नहीं रोक सकता।

अमित शाह ने कहा कि वह ऐसे राज्य से आते है, जो इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट में बहुत आगे है. उन्हें मालूम है कि मैदानी राज्य में इन्वेस्टमेंट लाना और पहाड़ी राज्य में इन्वेस्टमेंट लाना दोनों में पहाड़ चढ़ने से ज्यादा कठिनाई होती है, लेकिन सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सारी विपदाओं, विपरीत परिस्थितियों और परंपरागत कल्पनाओं को तोड़कर उत्तराखंड में एक लाख करोड़ की इंवेस्टमेंट जमीन पर उतारकर दिखाई, जिससे उत्तराखंड के विकास का खाका आज खींचा गया है.

अटल जी ने तीन राज्य उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड बनाए थे : अमित शाह

तीनों आज अपने पैरों पर खड़े होकर आगे बढ़ रहे है. उत्तराखंड को अटल जी ने बनवाया था और साल 2014 में मोदी की सरकार बनने के बाद यहां का विकास हुआ है. यानी उत्तराखंड को अटल जी ने बनवाया और पीएम मोदी संवारने का काम कर रहे हैं. आज केंद्र की सरकार हर क्षेत्र में कई रिकॉर्ड स्थापित कर रही है. अटल जी इस देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर पर छोड़ कर गए थे और मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को और बड़ा बनाया है. साल 2027 तक भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है.

# मानसून सत्र पर इंडिया गठबंधन की ऑनलाइन बैठक

**विपक्षी दलों ने संसद में एकजुट रहने और सरकार को घेरने की रणनीति बनाई**

## इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था

तेजस्वी यादव ने भी जनवरी 2025 में इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि 'इंडिया गठबंधन सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनाव तक के लिए बना था।' तेजस्वी यादव ने कहा था, 'यह अस्वाभाविक नहीं है कि कांग्रेस और आप जैसे दलों में मतभेद हों। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना था, और यह गठबंधन उसी लक्ष्य तक सीमित था।'

एजेंसी

नई दिल्ली, संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले शनिवार को इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने ऑनलाइन मीटिंग की। इसमें 20 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए। इस दौरान संसद में सरकार के खिलाफ एकजुट होकर मुद्दे उठाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सीपीआई (एमएल) के नेता दीपंकर भट्टाचार्य भी मौजूद थे। नेताओं ने तय किया कि संसद में वे एकजुट रहेंगे और सरकार से तीखे सवाल पूछेंगे। इधर, बैठक में बिहार में वोटर लिस्ट की जांच, पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, और जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से जली हुई नकदी मिलने के मामलों पर चर्चा हुई। साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने के दावे को लेकर भी बातचीत की गई। कांग्रेस ने संसद में जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाने, महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी, किसानों की परेशानी, देश की सुरक्षा और अहमदाबाद एयरक्रैश जैसे मुद्दे उठाने का फैसला किया है।

क्यों नहीं आएं तृणमूल और

तृणमूल कांग्रेस 21 जुलाई को 'शहीद दिवस' मना रही है, इसलिए उसके नेता कोलकाता में बिजी थे। वहीं, अअढ गुजरात और दूसरे राज्यों में अपने विस्तार अभियान में जुटी है। अअढ ने कांग्रेस से कई राज्यों में सीधी लड़ाई का रास्ता चुना है और पार्टी का कहना है कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक सीमित था।हालांकि, विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में विपक्ष एकजुट रहेगा, भले ही कुछ दल बैठक में न आएं।

मौका मिला तो मैं लीड करूंगीः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा-महाराष्ट्र और उपचुनावों में ब्लॉक के खराब प्रदर्शन को लेकर 7 दिसंबर 2024 को नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था, 'मैंने इंडिया गठबंधन बनाया। इसका नेतृत्व करने वाले इसे ठीक से नहीं चला सकते, तो मुझे मौका दें।

## इंडिया गठबंधन ब्लॉक पर उमर, ममता और तेजस्वी के बयान

ब्लॉक को बंद कर देना चाहिएः जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसी साल जनवरी में इंडिया अलायंस खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था, 'लोकसभा चुनाव के बाद इसकी कोई बैठक नहीं हुई है। यह गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था तो इसे खत्म कर देना चाहिए। इसके पास न कोई एजेंडा है और न ही कोई लीडरशिप।'

# असम की भाजपा सरकार बांग्ला भाषियों को धमका रही :ममता

**सीएम सरमा का जवाब- हम अपने नागरिकों से नहीं, घुसपैठियों से लड़ रहे**

ममता बनर्जी ने 16 जुलाई को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें।

एजेंसी

कोलकाता , पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असम की भाजपा सरकार पर राज्य में रह रहे बांग्ला भाषी लोगों को धमकाने का आरोप लगाया है।उन्होंने शनिवार को कहा कि असम में जो लोग सभी भाषाओं और धर्मों के साथ शांति से रहना चाहते हैं, उन्हें हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार धमका रही है। ममता ने कहा-बांग्ला भाषा देश की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, और असम में भी इसका बड़ा इस्तेमाल होता है। लेकिन जो लोग अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहते हैं, उन्हें डराया जा रहा है। यह असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम में हम अपनी जनता से नहीं, बल्कि सीमा पार से हो रही घुसपैठ से लड़ रहे हैं। इससे असम की जनसंख्या में बड़ा बदलाव आ रहा है। कई जिलों में हिंदू अब अल्पसंख्यक बनने के कगार पर हैं सीएम सरमा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी घुसपैठ को बाहरी हमला माना है।

# मेक इन इंडिया असलियत में असेंबल इन इंडिया : राहुल गांधी

**हर पुर्जा विदेश से आ रहा, जबतक आत्मनिर्भर नहीं होते ये बातें सिर्फ भाषण रहेंगी**

राहुल ने पर हिंदी में एक पोस्ट में लिखा- ग्राउंड लेवल पर बदलाव और असेंबली लाइन से आगे बढ़कर ही भारत मैन्यूफैक्चरिंग पावर बन सकता है। तभी हम चीन के साथ मुकाबला कर सकेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली , कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सरकार की मेक इन इंडिया पहल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ असेंबलिंग है, प्रोडक्शन नहीं। जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बन जाता, रोजगार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण ही रहेंगी।क्या आप जानते हैं कि भारत में बने ज्यादातर का 80% हिस्सा चीन से आता है? मेक इन इंडिया के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं- असली मैन्युफैक्चरिंग नहीं। आईफोन से लेकर तक- पुर्जे विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं। छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सपोर्ट। उल्टा, भारी टैक्स और चुने हुए कॉरपोरेट्स का एकाधिकार- जिसने देश के उद्योग को जकड़ रखा है। जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोजगार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी। जमीनी बदलाव चाहिए ताकि भारत असेंबली लाइन से निकलकर असली मैन्युफैक्चरिंग पावर बने और चीन को बराबरी की टक्कर दे सके।

# अहमदाबाद विमान हादसे पर अमेरिकी रिपोर्ट

**यूएस अधिकारियों ने की बड़ी टिप्पणी, पायलट एसोसिएशन ने भेजा नोटिस**

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को लीगल नोटिस भेजा है. इन्होंने आरोप लगाया है कि इन्होंने बिना तथ्यों के ही एयर इंडिया की घटना के लिए पायलट को दोषी ठहरा दिया. फेडरेशन ने कहा कि अभी भी इस घटना की जांच जारी है, फिर बिना रिपोर्ट आए ही इस तरह की रिपोर्टिंग क्यों की जा रही है. फेडरेशन के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने एएनआई से कहा, रंधेवरेशन पूरी तरह से डब्लूएसजे को जिम्मेदार ठहराता है. वे अपनी तरफ से निष्कर्ष निकाल रहे हैं और दुनिया भर में फैला देते हैं. क्या वे कोई जांच एजेंसी हैं? जब रिपोर्ट में ऐसा कुछ नहीं लिखा है तो वो कैसे खुद से नतीजे निकाल सकते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली : अहमदाबाद विमान हादसे की वजह क्या थी, इसको लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जल्दीबाजी ठीक नहीं है, जांच पूरी होने के बाद ही असली कारण का पता चल सकेगा, यह कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) का. एनटीएसबी ने मीडिया में चल रही अटकलों को सही नहीं माना है. इस विमान हादसे में 260 लोग मारे गए थे. घटना 12 जून को हुई थी.एनटीएसबी का बयान उस समय आया है, जब कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों ने विमान हादसे के लिए पायलट को जिम्मेदार ठहराया है.

# सीएम योगी ने पीएम मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा से की मुलाकात

**पीएमओ इंडिया के एक्स हैंडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की मुलाकात के पल की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं.**

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की. साथ ही मुख्यमंत्री केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा से भी

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार, (19 जुलाई 2025) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की है. वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय रासायनिक, उर्वरक एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रकाश नड्डा से दिनांक 19 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर मुलाकात की. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुलाकात के लिए पार्टी के दोनों ही शीर्ष नेताओं का आभार जताया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया. अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हृदयतल से आभार प्रधानमंत्री जी. वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात को लेकर पीएमओ इंडिया की तरफ से ट्वीट कर जानकारी दी गई है.

# ओडिशा में बदमाशों ने नाबालिग लड़की को आग के हवाले किया

**डिप्टी सीएम ने की घटना की निंदा**

नीमापारा के बलंगा पुलिस सीमा के अंतर्गत बयाबर गांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. जहां तीन अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की को आग लगा दी. लड़की के हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्से बुरी तरह से झुलस गए.

एजेंसी

भुवनेश्वरः ओडिशा के बालासोर जिले में शनिवार को बदमाशों ने एक नाबालिग लड़की को आग के हवाले कर दिया. लड़की को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है. उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने के निर्देश पुलिस को दिए.

अधिकार | जम्मू-कश्मीर को लेकर बोले फारूक अब्दुल्ला

# राज्य का दर्जा हमारा अधिकार, कोई एहसान नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। 21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने के साथ ही, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग तेज कर दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जहाँ राज्य का दर्जा लोगों का वाजिब हक बताया है। वहीं, कांग्रेस केंद्र पर इस माँग को पूरा करने का दबाव बनाने के लिए श्रीनगर, जम्मू और दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। वह खड़गे और राहुल द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए उस पत्र का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई थी। एक सवाल के जवाब में, अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा क्यों नहीं बहाल किया जा सकता। यह हमारा अधिकार है। यह कोई एहसान नहीं है। नेकां अध्यक्ष ने खुलासा किया कि 19 जुलाई की शाम को (इंडिया ब्लॉक) नेताओं की एक बैठक होगी और राज्य के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री जावेद राणा ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार को निर्देश दिया है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री समेत देश के नेतृत्व ने चुनावों से पहले वादा किया था कि परिसीमन होगा, चुनाव होंगे और बाद में राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। परिसीमन और विधानसभा चुनाव हो चुके हैं और अब उन्हें राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए।

**अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाने के लिए बधाई देना चाहता हूँ।**

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे से वंचित कर, इसे एक केंद्र शासित प्रदेश बनाकर, केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर और इसकी जनता को उसके एक लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकार से वंचित कर रखा है। इससे अंततः लोकतंत्र को ही नुकसान हो रहा है और लोगों में गुस्सा पैदा होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। केंद्र सरकार को, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को जनता के साथ किए अपने वादे को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाना न सिर्फ राजनीतिक रूप से जरूरी है बल्कि यह एक नैतिक जिम्मेदारी भी है, जिसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

# प्रशासन को जिम्मेदारी लेनी होगी...

**बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर बोले चिराग पासवान**

चिराग पासवान ने आगे कहा कि हकीकत यह है कि अगर एक भी घटना होती है तो प्रशासन को जिम्मेदारी लेनी होगी। एडीजी यह नहीं कह सकते कि बरसात से पहले ऐसी घटनाएं होती हैं। क्या आप किसानों पर इसका आरोप लगा रहे हैं?

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब सौगात लेकर आ रहे हैं तो उनकी प्राथमिकताएं अलग हैं। वह बिहार को विकसित राज्य बनाने के विजन के साथ काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहां तक कानून व्यवस्था की बात है तो सभी जानते हैं कि यह राज्य सरकार का मामला है। ऐसे में यह कहना उचित नहीं है कि प्रधानमंत्री चिंतित नहीं हैं। हाल के दिनों में जिस तरह से आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं, उसे देखते हुए जिस तरह से पारस अस्पताल में घुसकर हत्या हुई, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। चिराग पासवान ने आगे कहा कि हकीकत यह है कि अगर एक भी घटना होती है तो प्रशासन को जिम्मेदारी लेनी होगी।

एडीजी यह नहीं कह सकते कि बरसात से पहले ऐसी घटनाएं होती हैं। क्या आप किसानों पर इसका आरोप लगा रहे हैं?... राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि बिहार के लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा हो। इससे पहले चिराग पासवान ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के कुछ घंटों बाद चुनावी राज्य बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की।

## सम्पादकीय

### क्रिप्टोकरेंसी पर ध्यान देने का समय, भारत का भविष्य तय करेगा सरकार का नीतिगत कदम

डिजिटल परिसंपत्तियों की देशव्यापी स्वीकृति को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए भारत को कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रयासों की आवश्यकता है। चर्चा पत्र की घोषणा उद्योग और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़ी उम्मीद लेकर आई है। इस पत्र के साथ कई बदलाव लाए जा सकते हैं खासकर कर कानूनों के क्रियान्वयन और सभी ट्रेडर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले ढांचे की। भारत सरकार एक महत्वपूर्ण चर्चा पत्र जारी करने जा रही है, जो राष्ट्रीय क्रिप्टो नीति के लिए आधार तैयार कर सकता है। इससे इस क्षेत्र में आशा और घबराहट, दोनों तरह की भावनाएं पैदा हो रही हैं। इस बीच पारंपरिक संस्थान और नीति निमार्ता सतर्क, लेकिन आशावादी बने हुए हैं, जो इस क्षेत्र की अस्थिरता की ओर इशारा करता है। डेवलपर्स, फिनटेक इनोवेटर्स और डिजिटल की दुनिया के दिग्गजों के तेजी से बढ़ते समुदाय के साथ हमारे देश में इस वित्तीय व्यवस्था परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए संख्या-बल और प्रतिभा मौजूद है। वास्तव में 10 करोड़ से अधिक उपयोगकताओं के साथ भारत आज दुनिया के सबसे अधिक क्रिप्टो उपयोगकर्ता वाले देशों में से एक बन गया है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। सरकार का कदम इसमें भूमिका निभाएगा कि दुनिया भारत को डिजिटल भविष्य में कैसे देखती है। विश्व में क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि हाल में अमेरिका ने जीनियस एक्ट बनाया है, जो स्टेबलकाइन के लिए पहला व्यापक संघीय ढांचा स्थापित करता है। यह कानून बैंकों, फिनटेक फर्मों और खुदरा विक्रेताओं के लिए स्टेबलकाइन जारी करने का मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे बाजार का विस्तार संभावित रूप से दो लाख करोड़ डालर से अधिक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर यह कानून विनियामक स्पष्टता के लिए मिसाल कायम करता है और दुनिया भर में और विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में इसी तरह के ढांचे को प्रेरित कर सकता है। दुनियाभर की सरकारें क्रिप्टो को अपना रही हैं और इस परिसंपत्ति वर्ग को विनियमित कर रही हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया में यह प्रवृत्ति अब तेजी से मुख्यधारा में जगह बना रही है। पाकिस्तान ने अमेरिका की मदद से डिजिटल परिसंपत्तियों की निगरानी, विनियमन और व्यापार को सक्षम करने के लिए एक डिजिटल परिसंपत्ति प्राधिकरण आनन-फानन में बनाया है। सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और फिलीपींस जैसे देश भी नए, सहायक विनियमों और उनके बढ़ते डिजिटल बुनियादी ढांचे की घोषणा के साथ अपने बाजारों को नई संभावनाओं के लिए खोल रहे हैं। पश्चिमी जगत से समर्थन मिलने से यह क्षेत्र अब क्रिप्टो के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

## आज का विचार

## राशिफल

**मेष राशि:** करियरः दिनभर काम में व्यस्तता रहेगी, कार्यक्षेत्र में दौड़-भाग बढ़ेगी. बिजनेसः उधार दिया धन वापसी की संभावना, आय के नए स्त्रोत खुल सकते हैं. धनः खर्चों की अधिकता रहेगी, संतुलन बनाए रखें. शिक्षाः शिक्षा क्षेत्र में सफलता के संकेत हैं. लव/पारिवारिकः जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती

**वृषभ राशि:** करियरः उलझनों के बावजूद काम पूरे होंगे, सीनियर का सहयोग मिलेगा. बिजनेसः भाईयों से सहयोग मिलने की संभावना है. धनः खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, सतर्क रहें. शिक्षाः पढ़ाई में थोड़ी ढिलाई हो सकती है. लव/पारिवारिकः पूजा-पाठ से मानसिक शांति मिलेगी, परिवार का सहयोग रहेगा.

**मिथुन राशि :** करियरः जीवनसाथी की मदद से कोई बड़ा कार्य पूरा होगा. बिजनेसः शेयर व ट्रेडिंग में लाभ के योग हैं. धनः आय में बढ़ोतरी होगी. शिक्षाः सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी. लव/पारिवारिकः प्रेम जीवन में सामंजस्य रहेगा, सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी. उपायः तुलसी को जल दें, माता-पिता का आशीर्वाद लें.

**कर्क राशि:** करियरः नई योजनाएं शुरू करने के लिए अनुकूल समय. बिजनेसः वाहन या संपत्ति खरीदने का योग. धनः आर्थिक स्थिति बेहतर होगी. शिक्षाः फोकस बनाकर रखें, मन भटक सकता है. लव/पारिवारिकः माता का आशीर्वाद मिलेगा, मन कुछ बातों से विचलित रहेगा. उपायः भगवान शिव को बिल्वपत्र अर्पित करें. लकी कलरः सफेद लकी नंबरः

**सिंह राशि :** करियरः साझेदारी में काम लाभदायक रहेगा. बिजनेसः बड़ी डील होने की संभावना है. धनः अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. शिक्षाः छात्रों को मनचाही सफलता मिलेगी.लव/पारिवारिकः परिवार के साथ यात्रा संभव है, संबंध मजबूत होंगे.

**कन्या राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा, नए अवसर मिलेंगे. बिजनेसः ऑनलाइन व्यापार में प्रगति. धनः आमदनी में वृद्धि के संकेत हैं.शिक्षाः रुका हुआ काम पूर्ण होगा. लव/पारिवारिकः प्रेम संबंधों में समझदारी जरूरी, संतान की भावनाएं समझें. उपायः हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें.लकी कलरः भूरा लकी नंबरः 8 तुला राशि (छुर) करियरः परिश्रम का उत्तम फल मिलेगा. बिजनेसः नए क्लाइंट जुड़ सकते हैं, प्रगति होगी.धनः आय के स्त्रोत बढ़ेंगे. शिक्षाः प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता संभव.लव/पारिवारिकः रिश्ते मजबूत होंगे, प्रेमी से भावनात्मक जुड़ाव.

**वृश्चिक राशि:** करियरः काम का बोझ बढ़ेगा, धैर्य से कार्य करें. बिजनेसः नई शुरूआत के लिए अच्छा समय. धनः खर्चों पर नियंत्रण रखें. शिक्षाः ध्यान भटक सकता है, लापरवाही न करें. लव/पारिवारिकः जीवनसाथी से तनाव हो सकता है, संवाद जरूरी.

**धनु राशि:** करियरः करियर में सुधार होगा, पुराने कार्य पूरे होंगे. बिजनेसः व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में जीत के योग. धनः धन निवेश फायदेमंद रहेगा. शिक्षाः आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लव/पारिवारिकः प्रेम जीवन में रोमांस, परिवार में खुशहाली. उपायः श्रीरामचरितमानस का पाठ करें.

**मकर राशि :** करियरः सामाजिक सम्मान मिलेगा. बिजनेसः नए प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी. धनः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. शिक्षाः प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता संभव. लव/पारिवारिकः रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें. उपायः शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाएं. लकी कलरः स्लेटी लकी नंबरः 10

**कुंभ राशि:** करियरः नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं. बिजनेसः साझेदार के साथ यात्रा लाभकारी रहेगीधनः रुका हुआ धन मिल सकता है.

**मीन राशि:** करियरः चिंताओं से मुक्ति मिलेगी, काम में सफलता. बिजनेसः निवेश से लाभ संभव है, लेकिन विवाद से बचें. धनः बचत की ओर ध्यान देंगे. शिक्षाः मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिकः पारिवारिक सौहार्द, प्रेम जीवन में सुधार. उपायः मंदिर में दूध-सेब का दान करें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# भ्रम पैदा करती भाषा नीति, हिंदी का दोहरा अपमान और अंग्रेजी का बढ़ता वर्चस्व

**भारत में असली राजभाषा अंग्रेजी है। हिंदी को राजनीतिक कारणों से राजभाषा कहकर प्रपंच चलाया जा रहा है। यही मराठी तमिल या अन्य क्षेत्रीय नेताओं द्वारा हिंदी पर चोट करते रहने का भी कारण है। हिंदी का नाहक दोहरा अपमान होता है। इसकी तुलना में ब्रिटिश राज में भाषा-नीति अपेक्षाकृत पारदर्शी और यथार्थपरक थी। शासन की भाषा अंग्रेजी थी पर केवल अपने लिए। देश के वृहत शिक्षा-संस्कृति क्षेत्र स्वायत्त थे।**

पा भारतीय बौद्धिक किसी भी मुद्दे पर लड़ते-उलझते रहने में मशगूल रहते हैं, उसके समाधान की चिंता से निर्लिप्त। कई मुद्दों पर वही तर्क-वितर्क दशकों से सुने जाते हैं, पर मुद्दे की स्थिति जस की तस या बिगड़ती जाती है। भाषा नीति इसका उदाहरण है। अभी अधिकांश विवाद ठाकरे बंधुओं की निंदा पर केंद्रित है। कुछ समय पहले तमिल नेता स्टालिन की फजीहत करने में ही ज्यादा ऊर्जा खर्च हुई थी, जबकि भारत की भाषा नीति विगत आठ दशकों में क्या बनी और क्या हुई, इस पर उदासीनता ही रही है। ठाकरे बंधु हाल में राजनीतिक मंच पर आए। उनका मात्र एक प्रदेश में थोड़ा प्रभाव है, किंतु इससे पहले क्या था? सच तो यह है कि स्वतंत्र भारत की भाषा नीति शुरू से बिन पतवार की नाव है। औपचारिक रूप से हिंदी राजभाषा है, पर व्यवहार में हर क्षेत्र में सिर्फ अंग्रेजी का स्थान बढ़ता गया। यह उन नीतियों का परिणाम है, जिन्हें किसी अहिंदी नेता ने नहीं बनाया। अंग्रेजी द्वारा हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं का क्रमशः विस्थापन किसी तमिल या मराठी राजनीति की देन नहीं है, लेकिन इस पर कोई विचार नहीं कर रहा है। संविधान बनने के समय से ही उत्तर भारतीय, मुख्यतः हिंदी-भाषी नेताओं के निर्देशन में ही बहुत कुछ तय होता रहा है, पर उनके द्वारा बनी भाषा-नीति के नतीजों की कभी समीक्षा नहीं हुई कि वह किस उद्देश्य से बनी और परिणाम क्या हुए? भ्रामक भाषा नीति का दोष किसी एक नेता या दल को देना व्यर्थ है। संपूर्ण भारतीय नेतृत्व और बौद्धिक वर्ग भाषा नीति पर भ्रम का कारण और शिकार, दोनों रहा। इसका निराकरण करने में असमर्थ और अनिच्छुक भी। आज देश के छोटे-छोटे कस्बों में भी देखा जा सकता है कि अग्रगामी शिक्षा, रोजगार और व्यापार की भाषा अंग्रेजी है। अंग्रेजी न जानने वाले भी कामकाजी और व्यवस्थापक हो सकते हैं, पर सीमित स्तर तक। जिसे अपनी बौद्धिक और रचनात्मक क्षमता बढ़ाने की इच्छा है, जो सहज मानवीय आकांक्षा है, वह बिना अंग्रेजी प्रवीणता के विफल रहेगा। यदि कोई भारतीय केवल अंग्रेजी जानता हो और किसी भारतीय भाषा में एक नोट भी लिख न लिख सकता हो, तब भी उसे आगे बढ़ने में कठिनाई नहीं होगी। ऐसा दुनिया के किसी अन्य महत्वपूर्ण देश में नहीं है। भारत में असली राजभाषा अंग्रेजी है। हिंदी को राजनीतिक कारणों से ह्यराजभाषाह्ण कहकर प्रपंच चलाया जा रहा है। यही मराठी, तमिल या अन्य क्षेत्रीय नेताओं द्वारा हिंदी पर चोट करते रहने का भी कारण है। हिंदी का नाहक दोहरा अपमान होता है। इसकी तुलना में ब्रिटिश राज में भाषा-नीति अपेक्षाकृत पारदर्शी और यथार्थपरक थी। शासन की भाषा अंग्रेजी थी, पर केवल अपने लिए। देश के वृहत शिक्षा-संस्कृति क्षेत्र स्वायत्त थे। उसमें शासकीय दखलंदाजी नहीं थी। हर विषय के विद्वान ही उसके शिक्षण-प्रशिक्षण की सामग्री और विधान तय करते थे। ब्रिटिश राज में साहित्यिक, सांस्कृतिक क्रियाकलापों का विकास सचमुच समाज का काम था, सरकार का नहीं। स्वतंत्र भारत में उस क्रियाकलाप का ह्रास आरंभ हो गया। यह ह्रास स्वतंत्र भारत की अपनी नीतियों से हुआ। आज भारत में हिंदी ऐसी पटरानी है, जिससे अन्य सभी रानियां खार खाती हैं और रोज जली-कटी सुनाती हैं। पटरानी असहाय यह सब झेलने को लाचार है। हिंदी को झूठे राजत्व की दोहरी प्रवंचना से मुक्ति देना अच्छा होगा। तब कालक्रम में वह अपना सही स्थान पा लेगी। तब उसे अन्य भारतीय भाषाओं के नेताओं, बौद्धिकों की नाहक कटूक्तियों से छुटकारा मिलेगा। फिर उसे पहले जैसा सद्भाव मिल जाएगा। ब्रिटिश जमाने में हिंदी को राष्ट्रीय कामकाज की भाषा बनाने के सभी प्रयत्न अहिंदी नेताओं, ज्ञानियों ने किए थे। गांधीजी, राजगोपालाचारी, केएम मुंशी, टैगोर आदि महापुरुषों ने हिंदी की क्षमता और भूमिका पहचानी थी, किंतु यह तब था, जब देश में हिंदी वैसी ही एक भाषा थी, जैसी तमिल या तेलुगु थी। आज प्रशासन, शिक्षा और उद्योग व्यापार में अंग्रेजी की महत्ता वैसे भी अबाध बढ़ रही है। शंका हो तो 1963 और 1976 के राजभाषा कानून और नियम की तुलना करके देखें। फिर उसमें 1986, 2007 और 2011 में किए गए संशोधन भी। सभी दिखाते हैं कि स्वतंत्र भारत के सात दशक में अंग्रेजी और हिंदी में ऊंच और नीच की खाई लगातार बढ़ती गई है। आज हर कर्मचारी या छात्र जानता है कि किसी नियम, दस्तावेज, पुस्तक आदि को सही-सही जानना हो तो मूल अंग्रेजी वाली ही पढ़ना ठीक है। वरना ऊटपटांग या गड़बड़ अनुवाद से कुछ भी समझने, करने में व्यर्थ झमेला उठाना पड़ता है। सभी संकेत बताते हैं कि सारे अकादमिक कार्य, प्रकाशन, शोध आदि अंग्रेजी में होते हैं। चाहे उनका स्तर कामचलाऊ या लज्जाजनक क्यों न हो। हिंदी में अब कोई साहित्यिक पत्रिका तक नहीं, जिसे पूरे देश में जाना जाता हो। ऐसा पहले न था। ब्रिटिश काल और बाद में भी पूर्वगति के बल पर एक पीढ़ी तक राष्ट्रीय महत्व और प्रसार रखने वाली अनेकानेक हिंदी पत्रिकाएं थीं। अब सब बंद हो चुकी हैं। जबकि हिंदी भाषी जनसंख्या अधिक है, शिक्षितों की संख्या और उनकी आय, सबमें भारी वृद्धि हुई है। यह व्यापार-बाजार का सीधा सिद्धांत है: जिस चीज की मांग खत्म, उसका उत्पादन-व्यवसाय भी खत्म हो जाता है। अच्छा होगा कि केंद्र की राजभाषा नीति में ह्यआल्सो इंग्लिशह्ल को बदल कर ओनली इंग्लिश कर दिया जाए। इसके साथ ही सभी राज्य अपनी-अपनी भाषा में ही कार्य करने के लिए स्वतंत्र रहें। अन्य राज्यों तथा केंद्र से उनका व्यवहार भी स्वेच्छा और आपसी सुविधा से हो, किसी केंद्रीय नीति से नहीं। यह सब करना केवल उतना ही कष्टकर होगा, जितना किसी घाव की शल्य-चिकित्सा के समय होता है। रोगी को थोड़े समय कष्ट होता है, पर वह अंततः निरोग हो जाता है। इसी प्रकार यदि भारतीय भाषाओं की सच्ची चिंता है तो सभी राज्यों में अपनी-अपनी भाषा में काम करने का निश्चय करना होगा। इससे भाषा के नाम पर राजनीति और द्वेष खत्म होगा। तब सभी भाषाओं के प्रति सभी देशवासियों में समान अपनापे का भाव होगा। यही हमारी सांस्कृतिक एकता और सच्चा संघवाद भी होगा।

# क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

**ललित गर्ग**

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि ह्यसुशासन बाबूह्ल के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतुके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के ह्यजंगलराजह्ल की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है ह्ल हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा ह्यजंगलराजह्ल के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है।

# जीवन दर्शन : संस्कृति, संस्कार की होली जलाती अंग्रेजियत

**संजीव ठाकुर**

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था । धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे-धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता, बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा, नवाब धीरे-धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए, और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे, तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था।पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा, बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरूआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन-सहन खानपान, वेशभूषा, विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे-धीरे भारतीय रहन-सहन रीति-रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान, बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग-अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी।

## दिनदहाड़े गल्ला कारोबारी के घर लाखों की लूट

**ढाई लाख रुपए और 25 तोला सोना ले गए लुटेरे, बदमाशों ने मारपीट कर मुंह में दुपट्टा ठूस दिया**

भारत संवाद

प्रयागराज, यमुना नगर के जारी बाजार मे गल्ला कारोबारी के घर मे घुस कर लूट के मामले मे पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना कौंधियारा पुलिस ने मामले मे पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर 2 संदिग्ध लोगो को हिरासत मे पूछ ताछ कर रही है। इंस्पेक्टर कौंधियारा के मुताबिक, पुलिस टीम वारदात को लेकर काम कर रही है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा। जारी बाजार में बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े गल्ला कारोबारी की पत्नी को बंधक बनाकर लाखों रुपए की लूट कर ली थी। चाकू की नोक पर हुई वारदात में बदमाश लगभग ढाई लाख रुपए नगद और 25 तोला सोना ले गए हैं। गल्ला मण्डी जारी बाजार निवासी राज कुमार केसरवानी गल्ला कारोबारी हैं। हर दिन की तरह शुक्रवार सुबह भी वह घर से कुछ दूर स्थित दुकान पर चले गए। बच्चे भी स्कूल गए थे। घर में उनकी पत्नी राधा देवी अकेली थीं। लगभग 10 बजे वह स्नान कर घर के बाहर स्थित मंदिर में पूजा करने गई थीं। घर का मुख्य द्वार खुला हुआ था। इसी बीच दो बदमाश घर में घुस गए। कुछ देर बाद राधा देवी पूजा करके घर लौटीं तो बदमाशों ने चाकू दिखाकर उन्हें बंधक बना लिया। शोर मचाने की कोशिश पर बदमाशों ने मारपीट कर मुंह में उन्हीं का दुपट्टा ठूस दिया। बदमाशों ने उनका गला दबाने की कोशिश की जिससे वह डर गईं। इसके बाद बदमाश राधा को लेकर ऊपर के कमरे में गए और आलमारी का ताला खुलवाकर उसमें रखी नगदी और सोने के जेवरात लेकर घर से निकल गए।

# कार ने महिलाओं को रौंदा, 2 की मौत

**फुटपाथ पर सो रहीं थीं, 50 मीटर दूर जाकर पलटी कार; लोगों ने तोड़फोड़ की**

भारत संवाद

प्रयागराज, फुटपाथ पर सो रहीं 3 महिलाओं को तेज रफ्तार वैगनआर कार ने रौंद दिया। इससे 2 महिलाओं की मौत हो गई। हादसे के बाद कार 50 मीटर दूर सड़क पर पलट गई। लोग मौके पर दौड़कर पहुंचे तो कार में सवार 4-5 लोग फरार हो गए। इसके बाद लोगों ने कार पर पथराव कर दिया। पत्थर से हमला कर शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने गुस्साए लोगों को शांत कराया। एक घायल महिला का एसआरएन अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस कार के नंबर के जरिए आरोपियों की तलाश कर रही है। फुटपाथ पर सो रहीं थीं तीनों महिलाएं होईकोर्ट चौराहा के पास फुटपाथ पर मांडा के केनौरा गांव की रहने वाली चमेली देवी, यमुना नगर के कौधियारा थाना के गौरा की रहने वाली गुलाब देवी और श्रीदेवी सोमवार को फुटपाथ पर सो रही थीं। तेज रफ्तार कार फुटपाथ पर चढ़ गई। फिर तीनों को रौंदते हुए 50 मीटर आगे जाकर कार पलट गई। कार के पलटते ही कार सवार उतर कर फरार हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों को पुलिस को सूचना दी। पुलिस घायल तीनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चमेली देवी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि गुलाब देवी ने शनिवार दोपहर उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घायल श्रीदेवी का उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को शांत किया और कार को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में खड़ा करा दिया। बेटे बोले- भीख मांग कर चला रहीं थीं घर अस्पताल पहुंचे राकेश ने बताया कि मेरी मां ?चमेली देवी हाईकोर्ट के पास रह कर भीख मांग कर अपन जीवन यापन कर रही थीं। मेरा परिवार बेहद गरीब है। वह गांव में रहकर लोगों के खेत मे मजदूरी करता है। उसकी मां चमेली देवी गांव से एक माह पहले प्रयागराज शहर आ गई थीं। पेट पालने के लिए वह यहां भीख मांग कर रहती थीं।

वह रात में सड़क किनारे फुटपाथ में सो जाती थीं। उनके साथ यमुना नगर के कौधियारा थाना के गौरा की रहने वाली गुलाब देवी और थीं। सुरेश बिंद ने बताया कि मेरी मां गुलाब देवी 5 दिन पहले शहर आई थीं। वह भी भीख मांग कर फुटपाथ पर सोया करती थीं। गरीबी के चलते भीख मांगना उनकी मजबूरी है। हमारे पास इतना रुपया नहीं है कि मां का अंतिम संस्कार कर सके। हमे सरकार से इंसाफ और मुआवजा चाहिए। घटना के बाद से कार सवार लोग मौके से फरार हैं।

फास्ट ट्रैक

## अन्य पिछड़े वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी निःशुल्क ओ-लेवल/सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए अब 21 जुलाई तक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

भारत संवाद

अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों को निःशुल्क ओ-लेवल/सी0सीसी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ऑन-लाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि को बढ़कर 21 जुलाई, 2025 कर दिया गया है। निर्धारित पात्रता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग उ0प्र0 की वेबसाइट backwardwelfareup.gov .inया obccomputertraining.upsdc.gov.in पर अब 21 जुलाई, 2025 तक ऑन-लाइन आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन के उपरान्त आवेदन की प्रति की प्रिण्ट आउट प्राप्त कर समस्त अभिलखों/विवरणों को संलग्न करते हुये उसकी हार्ड कॉपी कार्यालय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, कक्ष सं0 75 विकास भवन, प्रयागराज में दिनांक 21 जुलाई, 2025 की सायं 05:00 बजे तक जमा किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रयागराज के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कोमिल द्विवेदी ने दी है

## थाना को0कटरा पुलिस द्वारा महिला के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 15.07.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी/पीड़िता के साथ छेड़खानी, अश्लील हरकत करने व धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-210/2025 धारा 75(2),351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0कटरा को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 19.07.2025 को उप-निरीक्षक महेन्द्र कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्रान्तर्गत भैसहिया तिराहा के पास से नामजद अभियुक्त दीप सोनी पुत्र संतोष सोनी निवासी अग्रवाल कालोनी भैसहिया टोला थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 64(2)ड,351(3)123 बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

## थाना जमालपुर पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना जमालपुर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 11.07.2025 को वादी कन्हैया लाल विश्वकर्मा पुत्र श्रीरामा विश्वकर्मा निवासी लठिया सहजनी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के पुत्र के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जमालपुर मु0अ0सं0-109/2025 धारा 352,351(3),110,115(2) बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्न वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जमालपुर को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जमालपुर पर पंजीकृत उपरोक्त मुकदमें में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 19.07.2025 को उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जमालपुर क्षेत्र से घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आये 01 नफर अभियुक्त सुरेश विश्वकर्मा पुत्र स्व0 श्रीरामा विश्वकर्मा निवासी लठिया सहजनी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 352,351(3),105,115(2) बीएनएस गिरफ्तार कर मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

## स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 एवं एस0एन0ए0 स्पर्श पोर्टल के सम्बन्ध में अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

**प्रशिक्षण में अधिकारियों को फील्ड स्तर पर आमजन से जुड़ने, जागरूकता बढ़ाने और ऐप या अन्य माध्यमों से फीडबैक लेने की कार्यप्रणाली के बारे में दी गयी जानकारी**

भारत संवाद

प्रयागराज। आज दिनांक 19.07.2025 को विकास भवन, प्रयागराज स्थित सरस केन्द्र सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के समस्त ग्राम पंचायत/विकास अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत एस0एन0ए0 (SNA) स्पर्श पोर्टल तथा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 से सम्बंधित बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण की अध्यक्षता जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रयागराज द्वारा की गई तथा तकनीकी मार्गदर्शन जिला सलाहकार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों को एस0एन0ए0 (SNA) स्पर्श पोर्टल की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में तकनीकि जानकारी दी गयी। स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के तहत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाहियाँ, सिटिजन फीडबैक की महत्ता एवं फील्ड स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किये गये। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सभी अधिकारियों को सिटिजन फीडबैक की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के मूल्यांकन में नागरिकों की भागीदारी और उनकी राय अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा समस्त अधिकारियों से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में जाकर ग्रामीणों से अधिक से अधिक सिटिजन फीडबैक दिलवाना सुनिश्चित करें, ताकि जनपद की रैंकिंग को बेहतर किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को फील्ड स्तर पर आमजन से जुड़ने, जागरूकता बढ़ाने और ऐप या अन्य माध्यमों से फीडबैक लेने की कार्यप्रणाली के संबंध में भी अवगत कराया गया। यह कार्यक्रम जनपद में स्वच्छता के क्षेत्र में जनसहभागिता के माध्यम से ठोस सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।जिला पंचायत राज अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य करना सुनिश्चित करें एवं ग्राम स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाकर जनसहभागिता को प्रोत्साहित करें।

## शोध फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय शोधशाला राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ समापन

**भारत ही वैश्विक समस्याओं का समाधान देने में सक्षम; अनुसंधान भारतीय दृष्टिकोण से ही सार्थक – एस. बालकृष्ण**

भारत संवाद

प्रयागराज, शोध फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शोधशाला का समापन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान , प्रयागराज में हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में अनुसंधान एवं नवाचार की भारतीय परंपरा को सशक्त करना थासमापन सत्र को संबोधित करते हुए अइश्ढ के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री श्री एस. बालकृष्ण ने कहा, भारतीय शोध परंपरा प्रकृति के शोषण की नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य की है। आज समय की मांग है कि भारत अपनी प्राचीन ज्ञान-परंपरा से प्रेरणा लेकर वैश्विक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करे। अनुसंधान को भारतीय दृष्टिकोण से करना ही इसकी सार्थकता सिद्ध करेगा। इस अवसर पर शोध फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रमुख डॉ. आलोक सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि, यह कार्यशाला केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित न रहकर, प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शोध संस्कृति के विस्तार का माध्यम बनाना चाहिए। प्रथम सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. सुनीत ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शोध के अवसरों की जानकारी दी ।द्वितीय सत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा को संकीर्ण दायरे में न बांधकर सर्वसमावेशी रूप देना चाहिए। अनुसंधान का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति के माध्यम से राष्ट्र का निर्माण होना चाहिए ।कार्यक्रम के समापन में शोध फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक श्री अर्जुन आनंद ने संस्थान की आगामी शोध योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी। वहीं, राष्ट्रीय सह-संयोजक द्वारा मंच संचालन किया गया ।इस दो दिवसीय कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक शोध प्रतिनिधियों ने भाग लिया और भारतीय शोध परंपरा को आधुनिक संदर्भों में समझने का प्रयास किया।

## एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

एक पेड़ माँ के नाम सावन माह के दौरन बचपन प्ले स्कूल विराट खंड एवं एक पहल मुस्कुराहट की ,पहल वेलफेयर सोसायटी द्वारा विराट खंड स्थित पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के छोटे नन्हे मुन्ने बच्चे ने विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे डायरेक्टर निधि पाल एवं डॉ. अंजू वार्ष्णेय अध्यक्ष एक पहल मुस्कुराहट की के साथ मिलकर रोपित किए ।एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत आम, अमरूद, आंवला ,चांदनी आदि पौधों का रोपण किया गया जिससे हमारे आस-पास का पर्यावरण स्वच्छ हो । डॉ॰ अंजू वार्ष्णेय ने छोटे नन्हें मुन्नो को पेड़ो के महत्व को भी समझाया पेड़ों से हवा, छाया और ऑक्सीजन मिलती है। हमको अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए जिससे कि हमारा वातावरण शुद्ध रहे एवं जलवायु परिवर्तन को रोका जा सका।

## रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज ने आपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के मोबाइल की चोरी करने वाले शातिर अभियुक्त को किया गिरफ़्तार

भारत संवाद

आज दिनांक 19.07.2025 को रेलवे स्टेशन प्रयागराज पर रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज ने आपरेशन यात्री सुरक्षा अभियान के तहत मोबाइल चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। प्रयागराज स्टेशन के प्लेटफॉर्म -1 पर हावड़ा एंड साइडिंग लाइन, रेलवे कालोनी जाने वाले रास्ते के गेट के पास 01शातिर अभियुक्त को यात्री से चोरी किये गये दो मोबाइल( कीमत 46900 ) के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता - अतुल भारतीया है ।महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के दिशा निर्देशन में , श्रीमान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज के प्रभावी मार्गदर्शन में एवं पोस्ट कमांडर /रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में यात्री सामान की चोरी की रोकथाम व चोरी में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के गिरफ्तार करने वाली टीम में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, प्रयागराज के उप निरीक्षक श्री नितिन कुमार , क्राइम विंग ( ऊ&क ) प्रयागराज के सहायक उप निरीक्षक श्री लाखन सिंह एवं राजकीय रेलवे पुलिस, उप निरीक्षक श्री राजकुमार चौहान शामिल थे ।

# छांगुर बाबा : एक बड़ा सवाल खुफिया तंत्र पर

भारत संवाद

छांगुर बाबा से जुड़े सनसनीखेज खुलासे आए दिन किए जा रहे हैं। इसमें संदेह नहीं होना चाहिए कि, ₹भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए छांगुर बाबा एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

छांगुर बाबा के संबंध में आए दिन किए जा रहे खुलासों से पता चलता है कि कैसे एक व्यापक नेटवर्क देश में अपनी जड़ें जमा चुका था, जिसे अरबों रुपये की विदेशी फंडिंग मिल रही थी और जिसने हजारों लोगों को अपने गैंग में शामिल कर लिया था ?

यह स्थिति स्वाभाविक रूप से एक गम्भीर सवाल खड़ा करती है कि, ₹आखिर हमारा खुफिया विभाग क्या कर रहा था, जब इतना बड़ा षड्यंत्रकारी नेटवर्क आकार ले रहा था ? यह नेटवर्क एक दो दिनों या महीनों में तैयार नहीं हो गया होगा ?

यह मानना मुश्किल है कि इतनी बड़ी गतिविधियां, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों को शामिल करना और भारी विदेशी फंडिंग का प्रवाह शामिल है, बिना किसी पूर्व सूचना या संकेत के संचालित हो सकती थीं। आमतौर पर, ऐसे बड़े पैमाने के ऑपरेशंस में कई चरण होते हैं, जिनमें प्रारंभिक भर्ती, वित्तीय लेन-देन, प्रशिक्षण और गुप्त संचार शामिल हैं। ऐसे में एक सक्षम खुफिया तंत्र को इन गतिविधियों के शुरूआती चरणों में ही अलर्ट मोड पर हो जाना चाहिए था।

छांगुर बाबा के प्रति प्रकाश में आए घटनाक्रम से भारतीय खुफिया एजेंसियों की कार्यप्रणाली और उनके समन्वय पर गम्भीर सवाल खड़े होते हैं कि :-

क्या खुफिया विभागों के पास पर्याप्त व उचित आधुनिक संसाधन नहीं हैं ? क्या विभिन्न एजेंसियों के बीच जानकारी का आदान-प्रदान ठीक से नहीं हो रहा है या फिर यह कहीं और से हुई चूक का परिणाम है छांगुर बाबा ?

यह भी सम्भव है कि खुफिया जानकारी मौजूद रही हो, लेकिन उसे गम्भीरता से नहीं लिया गया हो, या फिर उस पर समय रहते कार्रवाई करने का प्रयास नहीं किया गया हो और अनदेखा कर दिया गया हो !

ऐसा भी देखने को मिलता है कि ऐसे हाई प्रोफाइल मामलों में, राजनीतिक दबाव, नौकरशाही की ढिलाई या आंतरिक कमियों के कारण महत्वपूर्ण चेतावनियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

छांगुर बाबा के नेटवर्क का खुलासा इस बात की याद दिलाता है कि भारत जैसे विशाल और विविध देश में सतर्कता और सक्रिय खुफिया तंत्र कितना महत्वपूर्ण है ?

यह सिर्फ एक आपराधिक गिरोह का मामला नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक गम्भीर मामला है।

विदेशी फंडिंग और बड़े पैमाने पर भर्ती का अर्थ है कि इस नेटवर्क का उद्देश्य सिर्फ आपराधिक लाभ कमाना नहीं हो सकता, सिर्फ धार्मिक षड्यंत्र नहीं हो सकता है, बल्कि इसके पीछे देश को अस्थिर करने या किसी अन्य बड़े एजेंडे को आगे बढ़ाने की मंशा भी हो सकती है !

कुछ भी हो लेकिन, अब समय आ गया है कि इस मामले की गहराई से जांच की जाए, न केवल नेटवर्क के सदस्यों को पकड़ने के लिए, बल्कि उन कारणों का भी पता लगाने के लिए जिनकी वजह से हमारा खुफिया तंत्र इस खतरनाक षडयंत्र को रोकने में विफल रहा !

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खुफिया एजेंसियों को अपनी रणनीतियों, प्रौद्योगिकियों और समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता है अन्यथा, छांगुर बाबा जैसे प्रकरण बार-बार देखने को मिलते रहेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गम्भीर खतरे पैदा करते रहेंगे।

**श्याम सिंह 'पंवार'**
**वरिष्ठपत्रकार, कानपुर (उत्तर प्रदेश)**

आयोजन

**स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से गुरूपूर्णिमा से शुरू हुये नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से प्रतिदिन 14 घन्टे प्रदान की जा रही है स्वास्थ्य सुविधायें**

## परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश द्वारा बाघखाला, राजाजी नेशनल पार्क में शिवभक्तों के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भारत संवाद

- 18 से 20 नर्सेज, चिकित्सकों और स्वयं सेवकों की टीम प्रतिदिन तीन से पांच हजार शिवभक्तों को स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान कर रही
- परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज स्वास्थ्य शिविर में सेवायें प्रदान कर रही टीम से भेंटकर उनका हालचाल लिया और उत्साहवर्द्धन किया

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश द्वारा, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से राजाजी नेशनल पार्क, बाघखाला में चल रहा निःशुल्क चिकित्सा शिविर, शिवभक्ति और सेवा का अनुपम संगम है। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रारम्भ हुए इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से प्रतिदिन हजारों शिवभक्तों को स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस स्वास्थ्य सेवा शिविर में प्रतिदिन 18 से 20 नर्सेज, चिकित्सकों और स्वयं सेवकों की समर्पित टीम सुबह 06 बजे से रात 8 बजे तक, लगभग 14 घण्टे प्रतिदिन निरंतर सेवायें देकर 3000 से 5000 शिवभक्तों का उपचार कर रही है। नीलकंठ जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिये यह सेवायें जीवनदायिनी साबित हो रही है। आज परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने स्वयं शिविर में सेवायें प्रदान कर रही चिकित्सा टीम से भेंट की, उनका हालचाल लिया और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। स्वामी जी ने कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है। यह निःस्वार्थ सेवा शिविर न केवल शिवभक्तों की शारीरिक पीड़ा को दूर कर रहा है साथ ही यह करूणा की अभिव्यक्ति का एक जीवंत उदाहरण है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने चिकित्सकों, नर्सों और सेवा कार्य में लगे समर्पित स्वयंसेवकों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि ह्लहमारा उद्देश्य केवल चिकित्सा देना नहीं है, बल्कि तीर्थयात्रा को सुरक्षित, स्वच्छ और सत्कारमय बनाना है। यह शिविर एक संदेश है कि जब अध्यात्म और विज्ञान, श्रद्धा और सेवा, ध्यान और चिकित्सा साथ चलें, तभी सम्पूर्ण कल्याण सम्भव है स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कांवड़ यात्रा श्रद्धा, साधना और संयम का महा संगम है। यह पवित्र जल लाने की एक दिव्य परंपरा के साथ आत्मशुद्धि, प्रकृति-प्रेम और समाजसेवा का जीवंत उदाहरण है। लाखों शिवभक्त जब नंगे पांव, हरहर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा करते हैं, तो यह राष्ट्र की आध्यात्मिक शक्ति को जाग्रत करते हैं। स्वामी जी ने कांवड यात्रियों व शिवभक्तों का आह्वान करते हुये कहा कि यात्रा के दौरान स्वच्छता, शांति, अनुशासन और सद्भाव का पालन करें। यही सच्ची शिवभक्ति है। शिवजी केवल मंदिरों में नहीं, हमारे व्यवहार, करुणा और सेवा में प्रकट होते हैं। यही शिवत्व को जीवन में उतारने का मार्ग भी है ह्व शिविर में सामान्य चिकित्सा, प्राथमिक उपचार, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच, दवा वितरण आदि सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, तीर्थयात्रियों को स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और योग-प्राणायाम की भी प्रेरणा दी जा रही है।

# चौधरी विक्रम सिंह बने राष्ट्रीय योगी वाहिनी के, हाथरस लोक सभा अध्यक्ष

बहादुर सिंह संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ।गौंडा क्षेत्र के गांव श्याम मढी गहलऊ निवासी हिन्दू हृदय सम्राट, लोक प्रिय युवा नेता चौ. विक्रम सिंह की छमताओं के देखते हुऐ राष्ट्रीय योगी वाहनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय योगी वाहनी का हाथरस लोक सभा अध्यक्ष मनोनीत करते हुऐ आशा व्यक्त की है चौ.विक्रम सिंह लोक सभा क्षेत्र में सरकार की नीतियों का प्रसार प्रचार कर जन हित में कार्य करते हुऐ युवाओं को देश भक्ति की भावना उत्पन्न - राष्ट्र हित में कार्य करने को प्रेरित कर करते रहेंगे। वह शीघ्र ही एक पखवाड़े में लोक सभा रायोवा का विस्तार करते हुऐ कार्यकारिणी का गठन कर मुख्यालय को एक सूची प्रेषित करेंगे।इनके मनोनयन पर क्षेत्रीय लोगों में हर्ष व्यस्त करते हुऐ उनके निवास पर जाकर स्वागत किया।सभी ग्राम वासियों ने भी चौधरी विक्रम सिंह का स्वागत, संमान किया तथा बड़ों ने आशीर्वाद व बधाई दी । यहां पर मौजूद सभी जनता का विक्रम सिंह ने आभार व्यक्त किया और कहा जो मुझे

हाथरस लोक सभा का अध्यक्ष नियुक्त होने पर जुम्मेदारी हमरे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी दी है में दिन रात जन व राष्ट्रीय हित में कार्य करता रहूंगा। मुझे जो क्षेत्रीय जनता ने प्यार व स्नेह दिया है इसे मैं इसे कभी न भूलूंगा तथा जनता के वीच मैं रह कर आपकी सदा सेवा करुंगा।

# डिजिटल इंडिया की ओर नगर निगम अलीगढ़ का ऐतिहासिक कदम- ऐतिहासिक बोर्ड अधिवेशन में नगर निगम पार्षद लैपटॉप से हुए लेस

**☞यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया की क्रांति को ओर अधिक बल देने के लिए अलीगढ़ नगर निगम ने एक अत्यंत सराहनीय और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए नगर निगम के बोर्ड अधिवेशन में पार्षदों को लैपटॉप वितरित किये है।**

भारत संवाद

शनिवार को नगर निगम अलीगढ़ का बोर्ड अधिवेशन कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में संपन्न हुआ। बोर्ड अधिवेशन में महापौर प्रशांत सिंघल की ऐतिहासिक पहल पर पहली दफा महिला पार्षदों ने अपने अपने वार्ड की समस्याओं को पुरुष पार्षदों से पहले अधिवेशन में सदन के समक्ष रखा। बोर्ड अधिवेशन में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पार्षदों के एक एक सवाल के नगर निगम स्तर से कार्यवाही के संबंध में जवाब दिए। बोर्ड बैठक में नगर आयुक्त ने पार्षदों को अवगत कराते हुए कहा अगले 1 माह में सभी वैंडिंग जोन व्यवस्थित हो जायेगे, लॉटरी से आवंटन प्रकिया में मिली कमियों को दूर करने के लिए जोन वाइज पुनः लॉटरी प्रकिया की जा रही है।136 आवंटन को निरस्त किया गया है सफाई में सुधार के संबंध में नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के किये सदन में बताया कि आगामी सितम्बर तक सभी कचरा पॉइंट को विलोपित करने का प्रयास किया जाएगा जिससे शहर की स्वच्छता में सुधार आएगा। विकास कार्यो के बारे में नगर आयुक्त ने सदन को बताया कि अलीगढ़ नगर निगम सभी पार्षद वार्डो में एकरूपता के साथ विकास कार्य कराए जाने के लिए प्रयासरत है सभी वार्डो में धनराशि खर्च होने की एकरूपता का परीक्षण किया जा रहा है साथ ही जल्द शासन से 16वे वित्त आयोग से धनराशि आवंटन होने के उपरांत विकास कार्यो को कराने में गति मिलेगी। पार्षदों की लाइट संबंधित प्रश्नों के उत्तर पर नगर आयुक्त ने सदन को बताया कि नगर निगम लाइट विभाग में नए अधिशासी अभियंता यांत्रिक अजय कुमार सक्सेना ने ज्वाइन कर लिया है भविष्य में लाइट व्यवस्था में सुधार की दशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे ईईएसएल को सुधार के लिए नोटिस देने व नई लाइटों का कम से कम 5 से 10 साल मेंटीनेंस के आधार पर किया जाएगा 2 माह में लाइट व्यवस्था में सुधार की संभावना है। भविष्य में नगर निगम ब्रांडेड कंपनियों की ही लाइट क्रय करने का निर्णय लिया गया है। सदन में जलकल विभाग में दुबे इंटरप्राइजेज द्वारा 7000 के स्थान पर 25000 की बैरिंग खरीद व 1 फर्म की 3 जीएसटीआईएम प्रकरण पर नगर आयुक्त ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा उक्त प्रकरण मेरे संज्ञान में पहली बार आया है

फास्ट ट्रैक

# शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

- मण्डलायुक्त तहसील सदर व तहसील मड़िहान में जिलाधिकारी, वरिष्ठपुलिस अधीक्षक ने आए हुए फरियादियों की सुनी समस्याएं
- छात्रा के अनुरोध पर जय प्रकाश सर्वोदय बालिका विद्यालय के कक्षा-09 में तत्काल कराया गया नामांकन
- तहसील मड़िहान में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 51 प्रार्थना पत्रों में मौके पर 03 का किया गया निस्तारण, 04 टीमें गठित कर शिकायतो का निस्तारण कर अवगत कराने का दिया निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर - शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसीदर सदर में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी, अपर वि0/रा0 अजय कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया।इस अवसर पर मण्डलायुक्त के समक्ष प्राप्त 104 प्रार्थना पत्रों में 12 का मौके पर निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ प्रेषित किया गया कि शिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए जिससे फरियादी को न्याय मिल सकें।

तहसील मड़िहान में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 51 प्रार्थना पत्रों में मौके पर 03 का नितारण किया गया।जिलाधिकारी ने राजस्व व पुलिस की 04 टीमे गठित करते हुए निर्देशित किया कि दोनो पक्षों की उपस्थित में उनकी समस्याओं को सुनते हुए पूरी पारदर्शिता गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित करें। कुमारी शिवानी पुत्री लक्ष्मण निवासी शेरूआ ने जिलाधिकारी को प्रार्थना देते हुए जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय मड़िहान में 9वीं कक्षा में प्रवेश हेतु अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा तत्काल नियमानुसार बालिका का 9वीं कक्षा में दाखिला कराया गया। कानूनगो हरिदास कार्य में लापरवही बरतने पर इन्हें आवंटित दो सर्किल लूसा व राजगढ़ में से एक सर्किल से हटाने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। रजिस्टार कानून गो उमेश तिवारी के कार्य में लापरवाही बरतने पर शो-काज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। अधिशसी अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-2 के बिना किसी पूर्व सूचना के तहसील दिवस में अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया। राजगढ़ क्षेत्रान्तर्गत राजस्व से सम्बन्धित लेखपालों की अधिक शिकायतें प्राप्त होने पर जिलाधिकारी कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उप जिलाधिकारी मड़िहान को निर्देशित किया कि राजगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत सभी लेखपालों की समीक्षा करे एवं कार्य लापरवाही बरतने वाले लेखपालों के विरूद्ध कार्यवाही करें। खण्ड अधिकारी राजगढ़ को निर्देशित करते हुए कहा कि रोस्टर बनाते हुए राजगढ़ क्षेत्रान्तर्गत जितनी भी ग्राम पंचायते है सभी में कैम्प लगाते हुए राजस्व मामलो का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।इसी प्रकार के जनपद अन्य तहसील यथा चुनार में अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह के समक्ष प्राप्त 51 में 02 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण तथा तहसील लालगंज में उप जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 85 प्रार्थना पत्रों में मौके पर 06 का निस्तारण किया गया। तहसील मड़िहान में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी0एल0 वर्मा, उप जिलाधिकारी मड़िहान अविनाश कुमार, क्षेत्राधिकारी मड़िहान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

# एकनाथ शिंदे का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखवाएंगे शंकराचार्य

## गौमाता को राजमाता कहने के साहस का होगा सम्मान

भारत संवाद

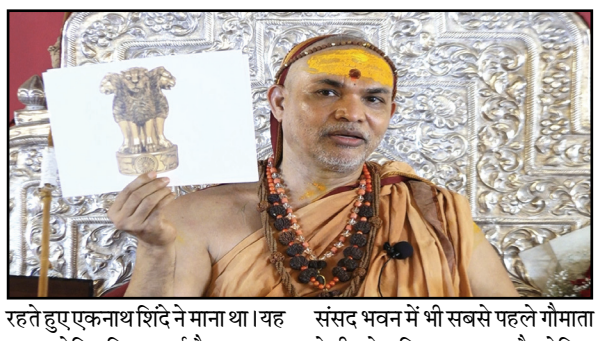

एकनाथ शिंदे ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में गौमाता को राजमाता घोषित करने का साहसिक काम किया है।सनातन धर्म की रक्षा के लिए किए गए उनके इस काम का सम्मान होगा। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को ब्रह्मलीन शंकराचार्य श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी का 101 वां जन्मदिवस यहां मुंबई में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर ज्योतिषपीठाधीश्वर वर्तमान शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा चांदी के पन्नों से बनवायी पुस्तक पर एकनाथ शिंदे का नाम स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा। यह जबर्दस्त घोषणा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गुरुवार को यहां मुंबई में की। उल्लेखनीय है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहे हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने 33 करोड़ गौ-प्रतिष्ठा महायज्ञ भी जारी रखा है। उन्होंने कहा कि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की उनकी मांग को मुख्यमंत्री रहते हुए एकनाथ शिंदे ने माना था। यह उनका ऐतिहासिक कार्य है। यह काम भारत सरकार को करना चाहिए। स्वामीअविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि भारत के राष्ट्रीय चिन्ह पर भी वृषभ की आकृति है। इसे राष्ट्र ने स्वीकार किया गया है।इसका मतलब है कि हम गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान के रूप में स्वीकृत कर चुके हैं।नए संसद भवन में भी पहले गौ माता ही पहुंची।शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि देश के नए संसद में प्रधानमंत्री जिस सिंगोल को आगे लेकर चल रहे थे उसमें एक मुठिया बनी हुई है। उसके ऊपर चबूतरे जैसा है, जिसके ऊपर गौमाता की प्रतिमा है। इसी ने सबसे पहले संसद भवन में प्रवेश किया। इसका मतलब हुआ कि नए संसद भवन में भी सबसे पहले गौमाता ने ही प्रवेश किया, यह शुभ है। लेकिन तब दुख होता है जब इसी संसद भवन में गौमाता को काटने की अनुमति दी जाती है। गाय माता का मांस बेचा जाता है। यह सनातन धर्म के लिए बहुत ही पीड़ादायक बात है।यहां बोरीवली के कोरा केंद्र पर जारी अपने भव्य दिव्य चातुर्मास्य महामहोत्सव में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि धर्म के नाम पर केवल धर्म होना चाहिए। दिखावा या पाखंड नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म को जानने से पहले विधर्म और अधर्म को पहचानना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधर्म आता है और धर्म को मार कर चला जाता है।इसलिए सनातन की रक्षा के लिए धर्म की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गाय नष्ट होगी तो सनातन धर्म भी नष्ट होगा। महाराज श्री ने बनवाई है स्वर्णाक्षरों की पुस्तकस्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि उन्होंने स्वर्णाक्षरों के बारे में बचपन से सुना था, लेकिन ऐसी पुस्तक कहीं नहीं मिली। जब वह कहीं नहीं मिली तो उन्होंने चांदी के पन्ने बनवाए और उस पर स्वर्ण अक्षरों से सबसे पहले अपने गुरुजी शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का नाम लिखवाया। गौमाता को अधिकृत तौर पर राजमाता घोषित करने के एकनाथ शिंदे के ऐतिहासिक फैसले पर उनके सम्मान में अब वैसे ही पन्ने पर उनका भी नाम लिखा जाएगा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दुख जताते हुए कहा कि जिस प्रदेश में बद्रिकाश्रम धाम है, जहां ज्योर्तिमठ है, वहां भी अब तक गाय को राजमाता का दर्जा नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र वह पावन भूमि है जहां आज गाय राजमाता है। शंकराचार्य जी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने कहा कि जब तक पूरे देश में गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा नहीं मिलेगा वे सनातनधर्मियों, गौभक्तों, गौसेवकों को लेकर अपना अभियान जारी रखेंगे।

# जनपद न्यायालय की सुरक्षा की कमान 4वीं वाहिनी मथुरा के हाथों में हुऐ जवान तैनात

बहादुर सिंह संवाददाता। भारत संवाद

अलीगढ। जनपद न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात 4वीं वाहिनी उ.प्र.वि.सु.बल,मथुरा के जवानों ने इंस्पेक्टर श्यामवीर सिंह के नेतृत्व में संभाल ली है। माननीय न्यायालय अलीगढ की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जबान का कहना है कि सुरक्षा सुदृढ बनाये रखने के लिए न्यायालय परिसर अलीगढ में अवैध मादक पदार्थ, नशीले पदार्थ ज्वलनशील पदार्थ, विस्फोटक सामग्री व अवैध शस्त्रों आदि को लेकर जाना दंडनीय अपराध है इसी किसी चीज के साथ प्रवेश निषेध है। परिषर में प्रवेश के समय संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों की जांच पड़ताल के वाद ही सुरक्षा बल अंदर जाने की अनुमति देते हैं।यहां पर तैनात 4वीं वाहिनी उ .प्र. वि.सु. बल( मथुरा )के सेनानायक के आदेशानुसार सुरक्षा प्रभारी निरीक्षक श्यामवीर सिंह के निर्देशन में न्यायालय परिसर अलीगढ के गेट नम्बर 01, गेट नम्बर 02 व गेट नम्बर 04 से प्रवेश करने वाले सभी संदिग्ध व्यक्तियों, वादकारी, प्रतिवादकारी को चेकिंग अभियान के अन्तर्गत सघनता से चेकिंग/तलाशी करने के पश्चात ही अलीगढ न्यायालय परिसर में प्रवेश दिया जा रहा है । गेटों पर उ.प्र.वि.सु.बल के जवानों द्वारा चेकिंग न्यायालय परिसर अलीगढ के गेटों पर क्रमबद्ध तरीके से पंक्ति लगाकर विधिवत रूप से करने के पश्चात ही प्रवेश दिया जा रहा है ।सभी जवान निर्धारित सभी स्थानों पर डियूटी पर मुस्तेदी से ह ? समय लगे रहते है।

## जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन मॉ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

मीरजापुर ,जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने निमार्णाधीन मॉ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर व सम्बन्धित ठेकेदार को शो काज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षिणक भवन व प्रशासनिक भवन के कार्यो में तेजी लाते हुए गुणवत्तापूर्ण भवन का निर्माण कराया जाए। निमार्णाधीन कुलपति आवास के ड्राइंग में परिवर्तन होने के कारण प्रगति धीमी है

## कविता

जो लँगोटी के ढील होते हैं,
उनके कि स्से तवील होते हैं।

जिनके लफड़े निबट नहीं पाते,
दूसरों के वकील होते हैं।

क्रोध कितना भी हो मगर कामी,
देखकर रूप, गील होते हैं।

अन्दर-अन्दर बहुत ही गन्दे लोग,
देखने में जमील होते हैं।

पुर-गुनह लोग याँ छिपे कब तक!
इक-न-इक दिन जलील होते हैं।

घनश्याम अवस्थी
गोंडा, उत्तरप्रदेश

# इगलास में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, 65 शिकायतें दर्ज - 8 मामलों का मौके पर निस्तारण

जनता की समस्याओं के प्रति लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : डीएम संजीव रंजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

इगलास (अलीगढ़), 19 जुलाई। तहसील इगलास में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने 65 शिकायतों में से 8 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर तत्परता का परिचय दिया। शिकायतों में 23 प्रकरण राजस्व विभाग, 9 विकास विभाग, 6 विद्युत विभाग व 16 अन्य विभागों से संबंधित रहे। 4 मामलों में पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया। डीएम संजीव रंजन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विधायक भी रहे मौजूद, दिए आवश्यक निर्देश

समाधान दिवस में क्षेत्रीय विधायक श्री राजकुमार सहयोगी ने भी शिरकत की। उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि सरकार जनसमस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, अधिकारी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

अधिकारियों ने की जनसुनवाई

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, एसपी क्राइम ममता कुरील, एसडीएम परितोष मिश्रा, सीओ महेश कुमार समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे और जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना।

# लघु एवं सीमान्त किसानों को वितरण किया गया मिनी किट उन्नतशील बीज

मण्डलायुक्त ने तहसील सदर व जिलाधिकारी ने तहसील मड़िहान के प्रगतिशील कृषको को वितरित किया मिनी किट बीज का पैकेट

भारत संवाद

मीरजापुर - किसानों की उत्पादकता में वृद्धि करने के उद्देश्य से आज सम्पूर्ण समाधान दिवस में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा उन्नतशील प्रजाति के बीज का मिनी किट किसानों को वितरण किया गया। मण्डलायुक्त तहसील सदर में 20 कृषको तथा जिलाधिकारी ने तहसील मड़िहान में 15 कृषको को ज्वार, बाजरा, दलहन, तिलहन, श्रीअन्न, सावां, कोदो आदि के बीज का मिनी किट कृषको की उत्पादकता/वृद्धि करने के दृष्टिगत प्रदान किया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कृषि क्षेत्र में कार्य किए जा रहे उसी क्रम में आज लघु एवं सीमान्त किसानों को श्रीअन्न अरहर, सांवा, कोदो, बाजरा, ज्वार, तिल आदि के उन्नतशील प्रजाति के बीज का वितरण किसानों को निशुल्क प्रदान किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में ज्वार बीज का 15.90 कुन्तल (530 पैकेट), बाजरा 36.56 कुन्तल (1828 पैकेट), श्रीअन्न का 18.25 कुन्तल (1275 पैकेट), दलहन 308 कुन्तल (10053 पैकेट), तिलहन 132.8 कुन्तल (1420 पैकेट) का वितरण 15106 कृषको में किया जा रहा है

# बेसिक की समीक्षा बैठक मेहनत और समर्पण से ही बनेगा जनपद निपुणः प्राचार्य

भारत संवाद

पीलीभीत। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, टैबलेट, दीक्षा पोर्टल, गणित ओलंपियाड, गणित व विज्ञान किट, दिव्यांग नामांकन, निपुण लक्ष्य ऐप, डीसीएफ, विद्यालय समय सारणी, और एआरपी चयन जैसे विभागीय कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई। एसआरजी अमित पाठक, प्रशांत त्रिवेदी, वैभव जैसवार, जिला समन्वयक राकेश पटेल व जितेंद्र कुमार और एआरपी ने विभिन्न विकास क्षेत्रों से आए शिक्षक संकुलों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। डाइट प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह ने इन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। डाइट के वरिष्ठ प्रवक्ता दरवेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष भी जनपद के कुछ विद्यालयों में डायट प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण एसेसमेंट टेस्ट आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्राचार्य ने शासकीय योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए शिक्षकों को अभिभावकों से संपर्क स्थापित कर उन्हें प्रेरित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आपकी मेहनत और समर्पण से ही जनपद को निपुण बनाने का लक्ष्य प्राप्त होगा। बैठक का संचालन नोडल अमित कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान डाइट प्रवक्ता अमित कुमार, पुलकित शर्मा, वीरेंद्र कुमार, मेघा अग्रवाल, नीलेश नाथ, सुनीता बिष्ट, मंजू लता समेत सभी एआरपी उपस्थित रहे।

# सांसद से दुर्व्यवहार के विरोध में कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

आज दिनांक 19 जुलाई 2025 को कैराना सांसद इकरा हसन से सहारनपुर एडीएम के दुर्व्यवहार को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।शनिवार को सपा के विभिन्न प्रकोष्ठों ने अलीगढ़ कलक्ट्रेट पहुंचकर नारेचाजी करते हुए एडीएम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। छात्र सभा महानगर अध्यक्ष मौ मोहसिन मेवाती ने कहा ने वे टूक कहा कि एडीएम ने सरकार के गृह मंत्रालग कार्मिक प्रशिक्षण विभाग के जारी निदेर्शों का ही उल्लंघन नहीं किया, बल्यि संसदीय अधिकारों का हनन कर लोकतंत्र की मयार्दा का अपमान किया है मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड प्रदेश उपाध्यक्ष इसरार सोलंकी ने कहा कि सांसद इकरा सहारनपुर नगर पंचायत की चेयरपर्सन शमा परवीन के साथ जन समस्याओं को लेकर एडीएम सहारनपुर से मिलने पहुंची थी लेकिन उन्हें 2 घंटे बिठाकर तलने की कोशिश की गई बाद में एडीएम सहारनपुर ने जन समस्याएं उठाने पर संसद को बाहर जाने को कह दिया अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यासीन गाजी ने कहा कि इस मामले में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई होनी चाहिए छात्र सभा जिला अध्यक्ष ने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा सपा महिला सभा की जिला अध्यक्ष सुनीता यादव महानगर अध्यक्ष आरती कुमारी ने कहा एक तरफ देश के प्रधानमंत्री महिलाओं की सम्मान की बात करते हैं वहीं अधिकारी महिला विरोधी मानसिकता की सोच रखते हैं। इस मौके पर मौजूद रहे समाजवादी पार्टी महानगर उपाध्यक्ष राकेश यादव महानगर उपाध्यक्ष प्रभात कुमार सविता छात्र सभा महानगर अध्यक्ष मौ मोहसिन मेवाती जिला अध्यक्ष छात्र सभा तरुण राज सिंह महानगर अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड हासुद्दीन अल्वी प्रदेश सचिव यूथ ब्रिगेड इमरान पठान जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा शहजाद अल्वी महानगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा अनीश नानी वाले अधिवक्ता सभा महानगर अध्यक्ष साजिद अली महिला सभा महानगर अध्यक्ष आरती सिंह छात्र सभा महानगर उपाध्यक्ष स्कंद राय यूथ ब्रिगेड पूर्व महानगर उपाध्यक्ष सौरभ यादव यूथ ब्रिगेड विधानसभा अध्यक्ष शकील अब्बासी छात्र सभा महानगर उपाध्यक्ष अब्दुल वाजिद महानगर उपाध्यक्ष सरदार प्रभाव सिंह महानगर प्रवक्ता आबिद मलिक यूथ ब्रिगेड पूर्व महानगर उपाध्यक्ष सौरभ कुमार जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा आशु सैफी छात्र सभा महानगर सदस्य फैजान यामीन मेवाती तोहिद साहिल मोहसिन रेहान सलमान मोहित गुप्ता विजय यादव सुरेंद्र यादव अर्जुन बघेल अजय सिंह तोमर मनीष यादव असद अनस जाहिद आयन सलमान रहन अनस आदि लोग मौजूद रहे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

## कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

**पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 21 जुलाई की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।**

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 21 जुलाई की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

### धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

### कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

### वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

### ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

# सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना का विधान है। इसके प्रभाव से साधक को मोक्ष की प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि मिलती हैं। सावन महादेव का प्रिय महीना है, जिसमें भव्य आयोजन के साथ शिव पूजन किया जाता है। मान्यता है कि सावन में प्रभु की उपासना करने से साधक के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। यही नहीं इस अवधि में आने वाले तीज-त्योहारों पर भी भोलेनाथ की विशेष कृपा बनी रहती है। चूंकि इस दौरान चातुर्मास होता है, इसलिए सृष्टि का संचालन भी शिव जी करते हैं। ऐसे में एकादशी पर उनकी भी उपासना करना बेहद शुभ होता है। बता दें, सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना का विधान है। इसके प्रभाव से साधक को मोक्ष की प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि मिलती हैं।

पंचांग के अनुसार सावन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 20 जुलाई को दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से शुरू होगी। इसका समापन 21 जुलाई दिन सोमवार को सुबह 9 बजकर 38 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी का व्रत किया जाएगा। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी।

### कामिका एकादशी पूजा विधि

- एकादशी के दिन सुबह ही स्नान कर लें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा के लिए सर्वप्रथम एक साफ चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर उसपर भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करें।
- अब प्रभु को प्रणाम करते हुए पीले फूल, धूप, दीप, चंदन और नैवेद्य आदि से पूजा करें।
- इस दौरान तुलसी पत्र का विशेष महत्व है, इसलिए पूजा में इसे शामिल करें।
- प्रभु के मंत्रों का उच्चारण करें।
- विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- भगवान विष्णु की आरती करें और उन्हें केसर या मखाने की खीर का भोग लगाएं।
- अब शाम के समय एक बार फिर भगवान विष्णु की आरती करें और फलाहार ग्रहण करें।
- रात में भजन-कीर्तन करते हुए अगले दिन द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण कर लें।

### कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का दुर्लभ संयोग इस एक उपाय से पाएं महादेव की विशेष कृपा

इस वर्ष 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी है। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी। संयोग की बात यह है कि कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का व्रत भी किया जाएगा। ऐसे में भक्तों को भगवान विष्णु और महाकाल को साथ में प्रसन्न करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से साधक की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। इसके अलावा एकादशी का उपवास रखने से व्यक्ति का भाग्योदय भी होता है, जिसके प्रभाव से धन लाभ, सुख-समृद्धि और यश कीर्ति की प्राप्ति होती हैं। इस वर्ष 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी है। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी। संयोग की बात यह है कि कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का व्रत भी किया जाएगा। ऐसे में भक्तों को भगवान विष्णु और महाकाल को साथ में प्रसन्न करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। यदि इस दिन केवल महादेव को जल और विष्णु जी को पीला फल अर्पित किया जाए, तो सभी दुख-दर्द का निवारण होता है। हालांकि इस खास संयोग पर शिव और विष्णु चालीसा का पाठ करने से करियर, व्यापार और निवेश में अच्छा लाभ हो सकता है। ऐसे में आइए इस चालीसा को जानते हैं।

## कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है।

मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

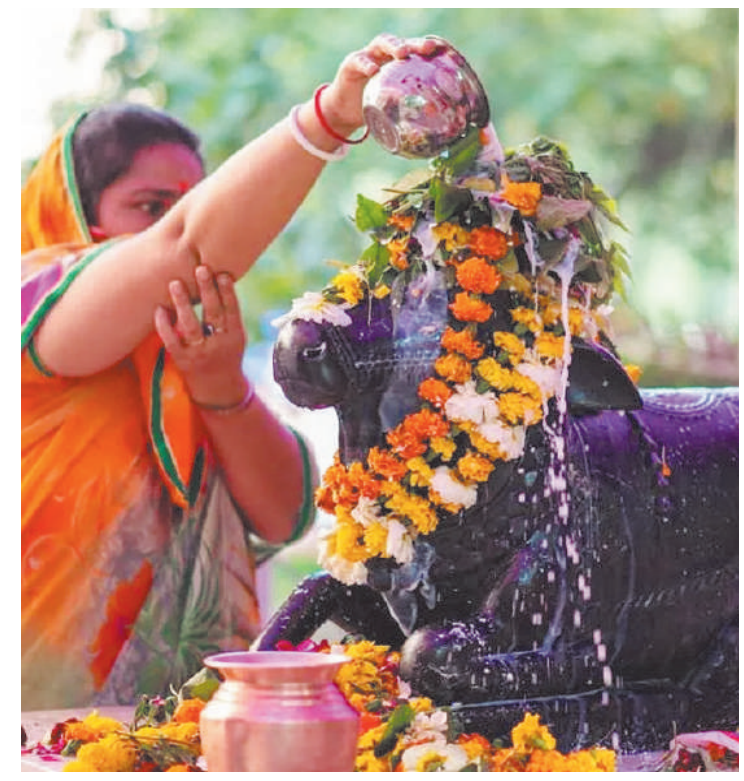

# सावन में शिवलिंग ही नहीं नंदी पर भी चढ़ाएं ये चीजें... तभी शिव जी स्वीकार करेंगे पूजा

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ उनके प्रिय भक्त और वाहन नंदी जी की पूजा का भी विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि नंदी जी ही भक्तों की प्रार्थनाओं और मनोकामनाओं को सीधे भगवान शिव तक पहुंचाते हैं। इसलिए, सावन में नंदी जी की पूजा करने से भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कई लोग नंदी जी के कान में अपनी इच्छाएं बोलते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इससे उनकी बात शिव जी तक अवश्य पहुंचती है। नंदी जी को धर्म और निष्ठा का प्रतीक भी माना जाता है और उनकी पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन के दौरान शिवलिंग पर अलग-अलग वस्तुएं अर्पित करने के साथ ही कुछ चीजें नंदी की प्रतिमा पर भी अर्पित करनी चाहिए। इससे भगवान शिव आपकी पूजा स्वीकार करते हैं।

### सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें दूर्वा घास

सावन के दौरान नंदी पर एक या कुछ दूर्वा घास नंदी जी की प्रतिमा पर अर्पित करें। दूर्वा घास अर्पित करने से लंबी और स्वस्थ आयु का आशीर्वाद मिलता है। यह शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। दूर्वा घास भगवान गणेश को भी प्रिय है और इसे नंदी जी को चढ़ाने से गणेश जी की कृपा भी प्राप्त होती है जिससे रुके हुए कार्य पूरे होते हैं।

### सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें गुड़ रोटी

सावन में नंदी जी को हरी मूंग गलाकर या गुड़ मिलाकर रोटी खिलाना शुभ माना जाता है। यह आप किसी मंदिर में नंदी की प्रतिमा को या किसी बैल को भी खिला सकते हैं। हरी मूंग या गुड़ के साथ रोटी खिलाने से धन संबंधी समस्याओं का समाधान होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इससे परिवार में सुख-शांति आती है और घर में खुशहाली का माहौल बनता है। यह उपाय गृह क्लेश से मुक्ति दिलाने में भी सहायक माना जाता है।

### सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें बेलपत्र

नंदी जी को बेलपत्र अर्पित करते समय ध्यान रखें कि बेलपत्र कहीं से भी कटा-फटा न हो और उसकी तीनों पत्तियां साबुत हों। आप बेलपत्र पर सफेद चंदन लगाकर भी नंदी जी को चढ़ा सकते हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार, पहला बेलपत्र नंदी जी के सिर पर रखा जाता है। बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और नंदी जी को बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है, मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सकारात्मकता आती है। यह पापों को दूर करने और पुण्य कमाने में भी सहायक माना जाता है।

### सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें दूध या जल

भगवान शिव के अभिषेक के बाद बचा हुआ जल या दूध नंदी जी के उस पैर पर अर्पित करें जो शिवलिंग की ओर बढ़ा होता है। आप नंदी जी को अलग से भी जल या दूध चढ़ा सकते हैं। नंदी जी को जल या दूध अर्पित करने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं और रोगों से मुक्ति मिलती है। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है जो किसी बीमारी से जूझ रहे हों। इससे मानसिक शांति भी मिलती है और मन शुद्ध होता है।

# सावन में किस समय रुद्राभिषेक करना माना जाता है सबसे शुभ

यदि आप सावन या किसी अन्य महीने में रुद्राभिषेक का आयोजन कर रही हैं, तो इसके सभी नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक माना जाता है। रुद्राभिषेक एक शक्तिशाली अनुष्ठान है, जो भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है। नियमों का पालन करने से आप इस अनुष्ठान का पूर्ण फल प्राप्त कर सकती हैं। आइए जानें रुद्राभिषेक के सबसे उत्तम समय के बारे में।

सावन का पूरा महीना भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित होता है। इस अवधि में भक्तजन शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, शिव जी की पूजा अर्चना करते हैं और घर या मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन करते हैं। रुद्राभिषेक को अत्यंत पुण्य का अनुष्ठान माना जाता है और यदि इसका घर में आयोजन होता है तो पूरा वातावरण पवित्र हो जाता है। यही नहीं रुद्राभिषेक से घर पर सकारात्मक ऊर्जा आती है और सदैव खुशहाली बनी रहती है। ऐसे में आपको इसके सही नियमों के साथ इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए कि रुद्राभिषेक करने का सही समय क्या होना चाहिए और दिन और रात को मिलाकर किस समय में भूलकर भी आपको इस अनुष्ठान का आयोजन नहीं करना चाहिए। रुद्राभिषेक भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है, जिससे जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति होती है। रुद्राभिषेक के दौरान, मंत्रों का उच्चारण और शिव जी की पूजा अर्चना करने से आत्मिक शांति और संतुष्टि मिलती है।

### सावन में रुद्राभिषेक करने के लिए सही समय

- सावन या किसी भी महीने में यदि आप रुद्राभिषेक का आयोजन कर रही हैं, तो आपको इसके सही समय की जानकारी जरूर लेनी चाहिए। सावन माह में न केवल सोमवार, बल्कि अन्य दिन भी भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माने जाते हैं।
- इस दौरान सोमवार को सावन सोमवार के रूप में पूजा जाता है तो मंगलवार देवी पार्वती को समर्पित होता है और इस दिन मंगला गौरी व्रत किया जाता है। इसी तरह से सावन के किसी भी दिन में रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।
- यदि हम शुभ समय की बात करें तो रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ समय ब्रह्म मुहूर्त को माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि ब्रह्म मुहूर्त में रुद्राभिषेक करने से सभी देवताओं की ऊर्जा का फल एक साथ मिलता है।
- वहीं यदि आप इस समय में रुद्राभिषेक नहीं कर पा रही हैं तो सूर्योदय के बाद कभी भी इसका आयोजन किया जा सकता है। आपको कोशिश करनी चाहिए कि सूर्योदय से दोपहर के समय तक के समय में ही रुद्राभिषेक करें या फिर इसे प्रदोष काल में यानी सूर्यास्त से डेढ़ घंटे पहले के समय में भी किया जा सकता है।
- इसके साथ ही आप दिन के अमृत काल में भी रुद्राभिषेक कर सकती हैं, जिससे इसके पूर्ण फल प्राप्त हो सकते हैं। यदि हम रात के समय की बात करें तो आप रात्रि के समय भी रुद्राभिषेक कर सकती हैं। यही नहीं इस अनुष्ठान के लिए निशिता काल भी बहुत शुभ माना जाता है।

### किस समय रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए?

- जिस तरह से रुद्राभिषेक के लिए एक शुभ समय माना गया है, उसी तरह से आपको दिन और रात के कुछ विशेष समय में इस अनुष्ठान के आयोजन से बचने की सलाह भी दी जाती है।
- आपको भूलकर भी राहुकाल में रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए। राहुकाल में किसी भी तरह का पूजन करने से अशुभ फल प्राप्त होते हैं।
- इसके अलावा दोपहर के समय 12 से 3 बजे तक रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि दोपहर का समय सभी देवताओं के विश्राम का समय होता है, इसी वजह से इस समय कोई भी पूजा -पाठ न करने की सलाह दी जाती है।

### सावन में रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ दिन कौन से होते हैं?

ज्योतिष की मानें तो सावन में रुद्राभिषेक के लिए सभी दिन विशेष माने जाते हैं, लेकिन यदि आप सावन के किसी भी सोमवार, नागपंचमी, तीज, सावन शिवरात्रि, कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी, अमावस्या और शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को घर पर रुद्राभिषेक का आयोजन करें तो ये विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। इनमें से किसी भी दिन इस अनुष्ठान को करने से शुभ फल मिलते हैं। वहीं यदि हम रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ स्थान की बात करें तो किसी भी ज्योतिर्लिंग में रुद्राभिषेक करना सबसे ज्यादा फलदायी माना जाता है, इसके अलावा मंदिर में भी इसका आयोजन शुभ होता है।

# चीन ने पहलगाम हमले की निंदा की

## कहा- हम हर तरह के आतंकवाद के विरोधी, आतंकी संगठन टीआरएफ और पाकिस्तान का नाम नहीं लिया

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में शुक्रवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन हर तरह के आतंकवाद का सख्त विरोध करता है और 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने आगे कहा, चीन सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता बनाए रखने की अपील करता है। चीन का यह बयान अमेरिका के पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के बाद आया है। चीन ने पहलगाम हमले की निंदा तो की है, लेकिन अमेरिका की तरह न तो टीआरएफ का नाम लेकर उसकी आलोचना की और न ही टीआरएफ को सीधेतौर पर आतंकी संगठन कहा। टीआरएफ पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन

लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन है। इसने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि, 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था। टीआरएफ मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया था। जम्मू-कश्मीर के आतंकी संगठनों में द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नया नाम है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद यह अस्तित्व में आया। भारत सरकार भी मानती है कि ये लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी आतंकी संगठन है।

ये आतंकी संगठन जवानों और आम नागरिकों की हत्या के अलावा सीमा पार से ड्रग्स और हथियार की तस्करी में शामिल रहा है। सुरक्षा मामलों के जानकार बताते हैं कि सीमा पार से आईएसआई हैंडलर्स ने ही लश्कर-ए-तैयबा की मदद से टीआरएफ को खड़ा किया। इससे पहले अमेरिका ने गुरुवार को पहलगाम आतंकी हमले की आलोचना की थी और इसकी जिम्मेदारी लेने वाले संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया था। इस सूची में पहले से ही पाकिस्तान के कई आतंकी संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, जमात-उद-दावा और आतंकी सरगना हाफिज सईद व मसूद अजहर जैसे नाम शामिल हैं।

# लॉस एंजिलिस में कार सवार ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ाई

## 28 घायल, 10 की हालत गंभीर; हादसे की वजह साफ नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के लॉस एंजिलिस में शनिवार को एक कार सवार में भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 28 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह हादसा लोकल समयानुसार सुबह करीब 2 बजे वेस्ट सांता मोनिका बुलेवार्ड पर हुआ, जो एक म्यूजिक वेन्यू के पास है। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट (एलएएफडी) की टीम ने मीडिया को बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी है। अधिकारियों ने अभी तक वाहन या चालक की पहचान नहीं की है। यह भी

क्लियर नहीं है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया या गलती से हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में घटनास्थल पर दर्जनों फायर फाइटर्स और पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं।

सड़क पर एक ग्रे रंग की कार डैमेज हालत में दिख रही है, जिसके आसपास मलबा बिखरा पड़ा है। हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि अचानक एक तेज रफ्तार गाड़ी भीड़ में घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। एलएएफडी और पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और लोगों से वहां न आने की अपील की है। एक महिला ने मीडिया बताया कि उसने कार के भीड़ में घुसने से पहले गोली चलने की आवाज सुनी थी। उसने कहा कि ड्राइवर हादसे के बाद गाड़ी में ही था, बाद में सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। ब्रिटेन के लिवरपूल शहर में भी दो महीने पहले ऐसा ही हादसा हुआ था। तब एक शख्स ने कार से कई फुटबाल फैन्स को कुचल दिया था। हादसे में 47 लोग घायल हुए थे।

इनमें से 27 को हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा था। ये फैन्स लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग में जीत पर विक्ट्री परेड निकाल रहे थे। इस मामले में 53 साल के आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने घटना में आतंकी हमले की आशंका से इनकार किया था।

# थाईलैंड में बौद्ध भिक्षुओं का सेक्स स्कैंडल उजागर

## एक महिला ने 80 हजार अश्लील फोटो-वीडियो के सहारे 100 करोड़ ठगे

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बौद्ध मठ से जुड़े सेक्स स्कैंडल का पदार्फाश हुआ है। इस खुलासे के वजह से 9 बौद्ध भिक्षुओं को मठ से निकाल गया है, जबकि 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की उगाही का मामला सामने आया है। दरअसल, बैंकॉक में मौजूद एक बौद्ध मठ से जून की शुरूआत में सीनियर भिक्षु फ्रा थेप वचिरापामोक लापता हो गए। पुलिस मामले की छानबीन करती हुई 'मिस गोल्फ' नाम की एक महिला के घर पहुंची, जिसकी पहचान विलावन एम्सावत के रूप में हुई है। पुलिस ने जब विलावन के मोबाइल की जांच की तो उसमें महिला के 'फ्रा थेप वचिरापामोक'के अलावा अन्य

भिक्षुओं के साथ करीब 80 हजार अश्लील फोटो और वीडियो मिले। पुलिस के मुताबिक, विलावन ने कम से कम नौ साधुओं के साथ यौन संबंध बनाए और उनसे पिछले तीन सालों में करीब 385 मिलियन बाट (करी 102 करोड़ रुपए) की उगाही की। इन भिक्षुओं को अब मंदिर से निकाल दिया गया है। विलावन एम्सावत को उगाही और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तारी किया गया है। वो साधुओं प्यार के जाल में फंसाकर, उनके साथ अश्लील फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लेती थी। इसके बाद इन्हें लीक करने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलती थी। विलावन ने दावा किया वह भिक्षु फ्रा थेप वचिरापामोक के बच्चे की मां है। उसने बच्चे की देखभाल के लिए ही 70 लाख बाट३ (लगभग 1.90 करोड़ रुपए) की मांग की थी। जांच में यह भी पता चला कि अन्य साधुओं ने भी विलावन को भारी रकम ट्रांसफर की थी, साथ ही उसे महंगे गिफ्ट्स जैसे मर्सिडीज-बेंज भी दिए थे। विलावन ने ज्यादातर पैसा ऑनलाइन जुए में खर्च कर दिया। हालांकि, गिरफ्तारी से पहले विलावन ने लोकल मीडिया से कहा कि उसका सिर्फ एक भिक्षु के साथ संबंध था और उसने उल्टा उस भिक्षु को पैसे दिए थे। इस मामले के सामने आने के बाद थाईलैंड के बौद्ध समुदाय में हंगामा मच गया है, क्योंकि यहां के भिक्षु ब्रह्मचर्य की कसम लेते हैं और दुनिया से दूरी बनाकर रखते हैं। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने भिक्षुओं के व्यवहार और मंदिरों की वित्तीय व्यवस्था से जुड़े कानूनों की समीक्षा का आदेश दिया है। साथ ही, थाईलैंड में बौद्ध धर्म की शीर्ष संस्था, सांघा सुप्रीम काउंसिल, ने नियमों की समीक्षा के लिए एक विशेष समिति बनाई है। वहीं अभी तक फ्रा थेप वचिरापामोक का कोई सुराग नहीं मिला है।

# ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 जेट गिरे

## किस देश के यह नहीं बताया; 24वीं बार कहा- जंग मैंने रुकवाई

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। साथ ही उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में पांच जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। ट्रम्प ने ये बात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान कही। ट्रम्प अब तक 24 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की

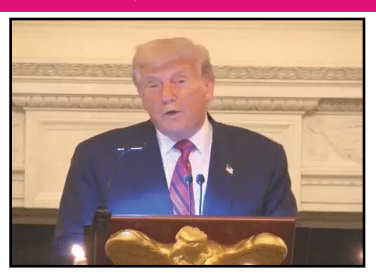

बात कह चुके हैं। पहली बार ऐसा दावा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर किया था। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने लड़ाई में 5 भारतीय विमान मार गिराए थे। वहीं, भारत ने भी कहा था कि पाकिस्तान के कुछ विमान गिराए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने किसी भी विमान के नुकसान से इनकार किया, लेकिन हवाई ठिकानों को निशाना बनाने की बात मानी थी। ट्रम्प बोले थे- हम संघर्षों को निपटाने में बहुत सफल रहे इससे पहले 14 जुलाई को ट्रम्प ने अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को बढ़ने से रोक दिया था। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ अपनी बैठक के दौरान कीं। ट्रम्प ने कहा, 'हम युद्ध को निपटाने में बहुत सफल रहे हैं।' उन्होंने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हमने व्यापार के माध्यम से ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते, हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे, और उन्होंने ऐसा किया।'

भारत का दावा- पाकिस्तान के 6 फाइटर जेट तबाह हुए न्यूज एजेंसी एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दावा किया था की ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स के हमले में पाकिस्तान के 6 फाइटर जेट, 3 एयरक्राफ्ट और 10 से ज्यादा ड्रोन और क्रूज मिसाइलें तबाह हुई थीं।

# मैंने हिंदी सिखा दी? राज ठाकरे के डुबो-डुबोकर मारेंगे वाले बयान पर निशिकांत दुबे ने ली चुटकी

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता निशिकांत दुबे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की 'डुबो-डुबो के मारेंगे' धमकी का जवाब दिया और पूछा कि क्या मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी? ठाकरे ने शुक्रवार को दुबे की उस टिप्पणी का सार्वजनिक रूप से जवाब दिया, जिसमें भाजपा नेता ने कहा था, ₹पटक-पटक के मारेंगे।₹ उन्होंने अपनी ही चेतावनी देते हुए कहा, ₹तुम मुंबई आओ। मुंबई के समुंदर में डूबो-डूबो के मारेंगे।

दुबे ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अपने पहले के बयान का बचाव किया और कहा कि वह इसे वापस नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरी मातृभाषा हिंदी है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे कोई महान राजा नहीं हैं। मैं एक सांसद हूँ और मैं कानून अपने हाथ में नहीं लेता। लेकिन वे जहाँ भी जाएँगे, लोग जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप गरीबों को पीटेंगे, तो वे एक दिन बदला लेंगे। मनसे की पिछली कार्रवाइयों का

**दुबे ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अपने पहले के बयान का बचाव किया और कहा कि वह इसे वापस नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरी मातृभाषा हिंदी है।**

ज़िक्र करते हुए दुबे ने कहा, ₹उन्होंने 1956 में गुजरातियों के खिलाफ, फिर दक्षिण भारतीयों के खिलाफ और अब हिंदी भाषियों के खिलाफ प्रदर्शन किया है। उनका इतिहास ऐसा है कि हर कोई उनसे नाराज है।₹ 'मराठी मानुस' के मुद्दे पर जोरदार रणनीति के लिए जाने जाने वाले ठाकरे, स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा शुरू करने के भाजपा सरकार के फैसले, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया, के विरोध में अपने चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ फिर से जुड़ गए हैं। दुबे ने उन पर और हिंदी के खिलाफ अभियान पर हमला बोला था, जिसके तहत मुंबई में लोगों के साथ मारपीट की कुछ घटनाएँ हुईं, जब छोटे ठाकरे ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा था कि अगर वे अपने आंदोलन के दौरान किसी की पिटाई करने का फैसला करते हैं तो उसका वीडियो न बनाएँ।

# ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के सवाल

## जयराम बोले- हमें संसद में पीएम से जवाब चाहिए, कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चलेगा

**जयराम बोले- संसद में पीएम से ही जवाब चाहिए**

'संसद शुरू होने वाली है और प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। कोई और नेता नहीं चलेगा। कांग्रेस और पूरा विपक्ष विशेष चर्चा की मांग करेगा और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। हमें कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चाहिए। केवल प्रधानमंत्री को ही जवाब देना होगा।' 'पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की लंबे समय से दोस्ती रही है। फिर चाहे सितंबर 2019 में हाउडी मोदी और फरवरी 2020 में नमस्ते ट्रम्प का आयोजन हो, दोनों का गले मिलने का रिश्ता रहा है। अब पीएम मोदी को संसद में खुद बयान देना होगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली , भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे। दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। कांग्रेस ट्रम्प के इन्हीं दावों पर मानसून सत्र में केंद्र सरकार से जवाब चाहती है। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं। आप ने लिखा- मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया 'प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रम्प बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।'

भारत-पाक संघर्ष विराम पर कांग्रेस पहले भी उठाती रही है सवाल

18 जून: अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंक के खिलाफ शानदार सहयोगी बताया जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंक विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को शानदार सहयोगी बताया। पाकिस्तान जिसने ओसामा बिन लादेन को शरण दी, वो शानदार सहयोगी कैसे बन सकता है? पाकिस्तान शानदार अपराधी है। अपराधी को सहयोगी कहना भारत के लिए झटका है।6 जून: ऑपरेशन सिंदूर क्या ट्रम्प के दबाव में रोका, ढट चुप क्यों हैं रमेश ने पूछा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर को अमेरिका के दबाव में रोका गया? कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? क्या अमेरिकी दबाव में भारत ने युद्ध रोका ताकि व्यापार समझौते हो सकें? उन्होंने कहा कि यह सवाल सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं।

# केजरीवाल को झटका, अनमोल गगन ने छेड़ी विधायकी, पालिटिक्स को कहा बॉय-बॉय - आप

**पंजाब में आप विधायक अनमोल गगन मान ने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया. स्पीकर को लिखा है कि विधायक पद से इस्तीफा स्वीकार करें.**

एजेंसी

चंडीगढ़: पंजाब में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को तगड़ा झटका लगा है. आप की विधायक अनमोल गगन मान ने इस्तीफा दे दिया है. पंजाब के खरड़ सीट से आम आदमी पार्टी की विधायक अनमोल गगन मान ने राजनीति को अलविदा कह दिया. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट करके इस संबंध में जानकारी साझा की है. इसमें उन्होंने भारी मन से राजनीति को अलविदा कहा है. भारी मन से अलविदा कहा: राजनीति छोड़ने संबंधी एक पोस्ट शेयर करते हुए अनमोल गगन मान ने लिखा, ₹मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है. विधायक पद से लेकर अध्यक्ष पद तक मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं. मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरेगी.₹ इस्तीफे पर उठे कई सवाल: आपको बता दें कि पंजाब सरकार की विधायक ने भले ही पद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है. वहीं, उनके इस्तीफे के कारणों के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं हैं. बयान के कारण चर्चा: गौरतलब है कि साल 2020 में राजनीति में कदम रखने वाली अनमोल गगन मान ने अपनी चुनावी रैली के दौरान एक बयान में कहा था, 'अगर लोग हमें वोट देंगे

# नीतीश कुमार को बदनाम करने की साजिश:गिरिराज सिंह

## बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गिरिराज सिंह ने विपक्ष को घेरा

**केंद्रीय मंत्री सिंह ने एएनआई को बताया कि अपराधियों के साथ पहले भी समझौता हुआ था। उन्हें संरक्षण दिया गया था। हालाँकि, आज यह नहीं कहा जा सकता कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित सरकार अपराधियों को बचा रही है। अपराधी पकड़े जा रहे हैं।**

एजेंसी

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर विपक्षी दलों द्वारा जताई गई चिंताओं के बीच, उन्हें बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपराधियों को पहले संरक्षण दिया जाता था, लेकिन अब उन्हें पकड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारस अस्पताल गोलीबारी में शामिल लोगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।केंद्रीय मंत्री सिंह ने एएनआई को बताया कि अपराधियों के साथ

पहले भी समझौता हुआ था। उन्हें संरक्षण दिया गया था। हालाँकि, आज यह नहीं कहा जा सकता कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित सरकार अपराधियों को बचा रही है। अपराधी पकड़े जा रहे हैं। पारस अस्पताल गोलीबारी में शामिल लोग भी पकड़े जाएँगे। हालाँकि, मैं पूछना चाहता हूँ कि ये अपराधी एक विशेष समुदाय से क्यों हैं? मैं बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाता हूँ।उन्होंने बिहार में विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए गए प्रयासों को महत्व नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही 10 लाख रोजगार पैदा कर चुकी है। सिंह ने कहा, ₹विपक्ष रोजगार के बारे में बात नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा करने की योजना की घोषणा की है। उनकी सरकार पहले ही 10 लाख रोजगार दे चुकी है। लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई है। महिलाओं को रोजगार मिल रहा है।₹ उनकी यह टिप्पणी विपक्ष द्वारा यह कहे जाने पर आई है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कल अपने भाषण में बिहार की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कोई बात नहीं की।